



सब का सपना



निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



पत्रकार नसीम हत्याकांड में हापुड़ देहात पुलिस का बड़ा एक्शन, आटा **पेज: 3**

'द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट की कामयाबी से खुश हैं **पेज: 8**

वर्ष : 02

अंक : 196

बुधवार 21 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कूचबिहार जिले से एनूल हक को गिरफ्तार किया है। उस पर उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 3 दिन पहले हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या को लेकर सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। शनिवार शाम हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 25 अन्य घायल हो गए थे। एनूल हक ने दावा किया था कि हादसे में 60 लोग मारे गए हैं, जबकि आधिकारिक आंकड़ा 19 मौतों का था। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि एनूल को सोमवार को उसके घर से हिरासत में लिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा और सोशल मीडिया पर झूठी सूचनाओं के प्रसार पर भी चिंता व्यक्त की।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा: पीएसआई समेत तीन युवकों की मौत, कार के उड़े परखच्चे

भरुक । भरुक के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) यश पटेल समेत तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा मनुबर गांव के पास उस समय हुआ, जब वडोदरा से भरुक की ओर जा रही एक कार आगे चल रहे टेंपो से जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में कुल चार लोग सवार थे। कार दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मनुबर गांव के पास पहुंची, तभी वह आगे चल रहे टेंपो से टकरा गई। टक्कर के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए। इस दर्दनाक हादसे में वडोदरा में पीएसआई के पद पर तैनात यश पटेल, पार्थ पटेल और अस्फाक मॉमिन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार में सवार चौथे व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने क्षतिग्रस्त कार से लोगों को बाहर निकालने और राहत कार्य शुरू करने की कार्रवाई की। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और हाईवे पर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, दुर्घटना के सटीक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

दिल्ली में कॉकरोच के पुतला दहन पर विवाद, एडवोकेट बलराज मलिक का विरोध

नई दिल्ली । दिल्ली के पीतमपुरा में श्री केशव रामलीला समिति द्वारा दशहरा पर रावण, कूभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ 30 फुट ऊंचे कॉकरोच के पुतले के दहन की घोषणा पर विवाद छिड़ गया है। इस मामले में एडवोकेट बलराज मलिक के विरोध किया है। समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक अशोक गोयल के अनुसार, कॉकरोच का पुतला गंदगी और अस्वच्छता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य स्वच्छ भारत और स्वच्छ दिल्ली का संदेश देना, समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वहीं बलराज मधोक ने कॉकरोच को आम जनता का प्रतीक बताया है। सारे देश में कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन चल रहा है। आयोजकों की इस पहल के पीछे आयोजकों की राजनीतिक मंशा बताया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कॉकरोच का पुतला जलाया गया तो वह रामलीला समिति के जो आयोजक हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगे और इस तरह के कृत्य का विरोध करेंगे।

असत्य पर सत्य सनातन की विजय का विश्वास, दशहरा केवल त्योहार नहीं, ये भारत की प्राण ऊर्जा हैं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्वी दिल्ली में आईपी एक्सटेंशन के डीडीए उत्सव ग्राउंड में दशहरा समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत सियावर रामचंद्र के जयकारे से की। उन्होंने कहा कि विजयादशमी के इस पवित्र वातावरण में मैं सभी देश-वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज भारत का कोना-कोना रामयम है। गांव-गांव और शहर-शहर रामलीला के रंग में देश डूबा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देशभर में रामलीलाओं का मंचन, प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवंत रखने की परंपरा, अत्याचार और आतंक के अंत का उद्घोष और असत्य पर सत्य सनातन की विजय का विश्वास, हमारे लिए ये केवल त्योहार नहीं हैं, ये भारत की प्राण ऊर्जा हैं। इसलिए आज जब देश का जन-जन अधर्म पर धर्म की विजय का उद्घोष कर रहा है तो फिर सियावर रामचंद्र का जयकारा लगाते हैं। इस देश ने इसकी संस्कृति और इसके



पूर्वजों ने हजारों वर्षों से प्रभु श्रीराम की उपासना की है। ये आस्था केवल इसलिए नहीं है कि श्रीराम ने राक्षसराज रावण का अंत किया, ये आस्था इसलिए भी है कि प्रभु श्रीराम ने हमें ऐसे आदर्श दिए, जो मानवता के इतिहास में अतुलनीय हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रभु श्रीराम ने अपने जीवन में कितनी ही कठिनाइयों का

सामना किया। लेकिन, उन्होंने सच्चाई और नीति का हाथ कभी नहीं छोड़ा। उनका चरित्र ही ऐसा है कि प्रभुराम के चेहरे पर न राजपद पाने की प्रसन्नता हुई और न वनवास जाने पर उन्हें कोई दुख हुआ। उन्होंने हर संकट को सहकर भी धर्म का पालन किया और सत्य की स्थापना की। जब हमारे राम जंगल गए

तो वहां उन्होंने निषादराज को गले लगाया, माता सबरी को सम्मान दिया। उन्होंने दया, करुणा, प्रेम और सौहार्द को मानदंड बनाया। जब वापस आकर राम अयोध्या के राजा बने तो उन्होंने एक ऐसे रामराज्य की स्थापना की, जो आज भी सुशासन का मानदंड माना जाता है। रामराज्य अर्थात ऐसा शासन जहां किसी

■ पीएम मोदी ने कहा कि हमेशा जनता को जनार्दन मानकर आगे बढ़ना है। हमें गरीब और वंचित की सेवा को सर्वोपरि रखना है। प्रभुराम के जीवन से हमें बहुत बड़ी सीख मिलती है। संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, हमें दूसरे के भरोसे नहीं बैठना है।

के प्रति भेदभाव न हो, जहां सबको न्याय मिले, जहां सबको समान अवसर मिले, जहां सत्ता का उद्देश्य शासन करना नहीं, जनकल्याण का हो। इसलिए ही गोस्वामी तुलसीदास ने कहा था कि यही मयादां पुरुषोत्तम राम का आदर्श है। पीएम मोदी ने कहा कि हमेशा जनता को जनार्दन मानकर आगे बढ़ना है। हमें गरीब और वंचित की सेवा को सर्वोपरि रखना है। प्रभुराम के जीवन से हमें बहुत बड़ी सीख मिलती है। संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो,

हमें दूसरे के भरोसे नहीं बैठना है। हमें अपना सामर्थ्य पहचानना है, अपने संसाधनों पर विश्वास करना है। अपने संकल्प को शक्ति बनाना है और अपने परिश्रम से समाधान निकालना है। प्रभुराम ने हमें सिखाया कि रास्ते की कठिनाइयां हमारी यात्रा को रोक नहीं सकतीं। समुद्र सामने था, लंका दूर थी, लेकिन संकल्प अडिग था इसलिए रामजी ने जनता की सामूहिक शक्ति को जगाया, जनभागीदारी को अपना संबल बनाया, उपलब्ध संसाधनों को जोड़ा और असंभव लगने वाले लक्ष्य को संभव बनाया, यही सफलता का मूलमंत्र है। अपनी शक्ति पर विश्वास, अपने सामर्थ्य पर भरोसा और अपने संसाधनों का सही उपयोग और अपने लक्ष्य के प्रति अटूट संकल्प, आज हमें भी इसी मंत्र को लेकर आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि हमारे सामने विक-सित भारत का लक्ष्य है, हमारे सामने आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य है। हमें जनशक्ति से जनकल्याण करते हुए जनता की हर आकांक्षा को पूरा करना है।

टाइगर श्रॉफ पर हमले मामले में चौथा आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार - लारेंस गैंग के सदस्य अनिल पंडित के बीच कड़ी का कर रहा था काम

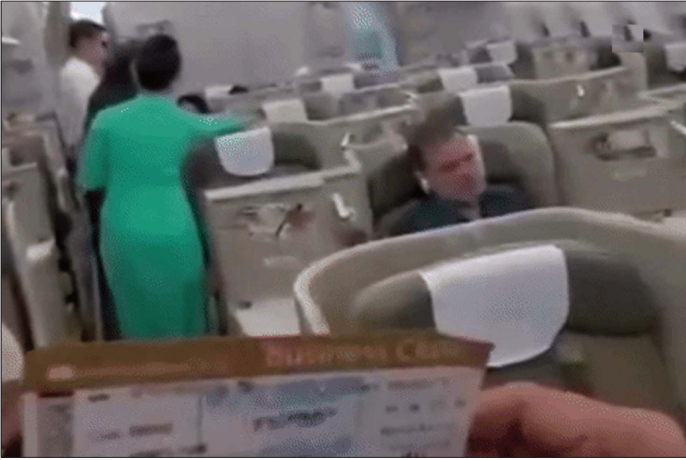
मुंबई, एजेंसी। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई गोलीबारी के मामले में हरियाणा से चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान समीर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह हमलावरो और कैलिफोर्निया में रहने वाले लारेंस गैंग के सदस्य अनिल पंडित के बीच एक कड़ी का काम कर रहा था। इस नई गिरफ्तारी के बाद हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या 6 हो गई है। सोमवार को राजस्थान के कोटा से शुटर फूलसिंह, ऋतिक कुमार और रेहान को गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा दो अन्य लोगों की भी हिरासत में लिया गया है, जिनमें से एक को महाराष्ट्र-गुजरात सीमा से पकड़ा गया था। इन तीनों को अभी कोर्टा रेलवे कॉलोनी पुलिस थाने में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है, और आज उन्हें मुंबई जाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक अनिल पंडित, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का साथी है, जिसने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। इससे पहले रेहान, फूल सिंह और रितिक नाम के तीन हमलावरों को कोर्टा रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया था, जब वे दिल्ली और नेपाल की ओर भागने की कोशिश कर रहे थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि हमलावरो ने गोलीबारी करने से पहले इलाके की रेकी की थी। जानकारी के मुताबिक रेहान को 35,000 रुपये देने और विदेश में बसाने का लालच दिया गया था। मामले से जुड़े अहम सबूतों में रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज, मुंबई से सूरत तक टैक्सी का सफर, अंधेरी के पास लावारिस मिली बाइक और बैलिस्टिक जांच के लिए भेजे गए गोलियों के खोखे शामिल हैं। मुंबई पुलिस और हरियाणा पुलिस इस साजिश के पीछे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। पुलिस को शक है कि समीर मुंबई में कुछ लोगों के संपर्क में है। जांच के दौरान पुलिस इन लोगों के बारे में और जानकारी जुटाने की कोशिश करेगी।

भाजपा ने विमान का वीडियो पोस्ट कर किया दावा- राहुल गांधी वियतनाम गए

-कांग्रेस बोली- राहुल छात्रों और बुद्धिजीवियों से भी मिलते हैं, इसमें मुद्दा या है

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच भाजपा ने दावा किया है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वियतनाम गए हैं। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सप पर विमान के अंदर का एक वीडियो पोस्ट कर राहुल गांधी पर निशाना साधा। कांग्रेस ने भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए सवाल उठाया कि राहुल गांधी की विदेश यात्रा को राजनीतिक मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है।

भाजपा ने वीडियो के साथ तंज कसते हुए लिखा, 'छूट फैलाते-फैलाते थक गया। कुछ दिन वियतनाम घूम आता हूं, किसी को क्या ही पता चलेगा।' पार्टी ने इस पोस्ट के जरिए राहुल गांधी पर निशाना साधने की कोशिश की। भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि राहुल गांधी पहले भी ऐसा करते रहे हैं। उनके मुताबिक, बिहार में यात्रा के बाद भी राहुल गांधी वियतनाम गए थे। उन्होंने संभावना जताई कि इस बार भी राहुल उसी देश की यात्रा पर गए हों।



भाजपा नेता शजिया इल्मी ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी राजनीतिक कामकाज का दबाव नहीं सह पाते और कुछ समय बाद छुट्टी पर चले जाते हैं। इल्मी ने दावा किया कि राहुल गांधी दो सप्ताह भी काम नहीं कर पाए और फिर विदेश चले गए। हालांकि, भाजपा

नेताओं के इन दावों के समर्थन में राहुल गांधी की मौजूदा यात्रा को लेकर कोई स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।

कांग्रेस का सवाल- दूसरे लोग भी जाते हैं विदेश...

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी कहाँ जाते हैं और कब

विदेश यात्रा करते हैं, इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि दूसरे नेता भी विदेश यात्राएं करते हैं, लेकिन हर यात्रा को लेकर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए। दीक्षित ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का बचाव करते हुए कहा कि वे येल यूनिवर्सिटी और लंदन में छात्रों से बातचीत करते हैं। इसके अलावा वे बुद्धिजीवियों से मिलते हैं और प्रेस को साक्षात्कार भी देते हैं। उनके मुताबिक, इन यात्राओं को केवल छुट्टी के तौर पर देखना उचित नहीं है।

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का भी उठाया मुद्दा

संदीप दीक्षित ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि संसद सत्र के दौरान विदेश यात्रा न करने की परंपरा प्रधानमंत्री ने भी तोड़ी है। उन्होंने सवाल किया कि उस समय इस तरह की आलोचना क्यों नहीं की जाती। एसआईआर को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जारी राजनीतिक टकराव के बीच राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा नया विवाद बन गई है।



सकतीं।

मनरेगा की जगह वीबी-जी राम जी: सामाजिक सुरक्षा पर सर्जिकल स्ट्राइक

-कांग्रेस का आरोप- कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी-जी राम जी) से बदलने के कदम को ग्रामीण भारत के सामाजिक सुरक्षा तंत्र पर एक सर्जिकल स्ट्राइक बताया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा में सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि यह बदलाव ग्रामीण मजदूरों को मिलने वाले आवश्यक सहारे को कमजोर कर देगा। सोशल मीडिया पोस्ट में कांग्रेस नेता रमेश ने महाराष्ट्र की गंभीर स्थिति का हवाला दिया, जहां बीड सहित कई जिलों में बीते एक दशक का सबसे भीषण सूखा पड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस तरह के बेहद चुनौतीपूर्ण समय में, मनरेगा ग्रामीण आबादी के लिए जीवनरंजक और सुरक्षा की गारंटी प्रदान करता था। लेकिन, इस प्रतिष्ठित योजना को वीबी-जी राम जी से बदलना, ग्रामीण भारत को एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच से वंचित करने जैसा है।



विस्तृत जमीनी जांच का हवाला देकर कांग्रेस नेता रमेश ने चौकाने वाले आरोप लगाए। रिपोर्ट के अनुसार, कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला है, जबकि सरकारी दस्तावेजों में उन्हें काम पर लगा हुआ दिखाया गया है। उन्होंने दावा किया कि लोकल राजनेता, जो कथित तौर पर सत्ताधारी दल से जुड़े हैं, मजदूरों की मेहनत की कमाई को हड़प रहे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि मजदूरों की मजदूरी की व्यवस्थित चोरी करार दिया।

शिवा हत्याकांड की मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे नागपुर से गिरफ्तार

- 11 दिन से चल रही थी फरार, बहन रश्मि और झाड़वर भी पकड़े गए

लखनऊ। लखनऊ के कैफे संचालक शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे को उत्तर प्रदेश पुलिस ने महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार को एक फ्लैट पर छपा मारकर श्रद्धा के साथ उसकी बहन रश्मि दुबे और झाड़वर को भी पकड़ा। तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद से फरार श्रद्धा की तलाश में उत्तर प्रदेश पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) जुटी हुई थीं। अब उसे ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाने की तैयारी है। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा दुबे सड़क मार्ग से आगरा होते हुए नागपुर पहुंची थीं। वहां एक परिचित के फ्लैट में उसके उद्धार की व्यवस्था की गई थी। एसटीएफ ने उसकी लोकेशन ट्रेस की और नागपुर पुलिस की मदद से गिरफ्तारी की कार्रवाई की। मंगलवार को टीम ने फ्लैट पर छपा मारकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि श्रद्धा अपनी बहन और झाड़वर के साथ लगातार बुर्का पहनकर यात्रा कर रही थी, ताकि पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बच सके। बताया जा रहा है कि वह अग्रिम जमानत लेने की कोशिश भी कर रही थीं। हालांकि, इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।



एसटीएफ की मदद से मिली कामयाबी श्रद्धा की गिरफ्तारी के लिए लखनऊ पुलिस को उत्तर प्रदेश एसटीएफ का सहयोग मिला। मंगलवार को ही एसटीएफ को उसकी तलाश तेज करने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच लखनऊ पुलिस ही करेगी। गिरफ्तारी के बाद अब आरोपी से घुड़ताछ और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल की जाएगी।

चौथी मंजिल से गिरकर हुई थी शिवा की मौत लखनऊ के हजरतगंज स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट में 9 अक्टूबर 2026 को कैफे संचालक शिवा शर्मा की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। घटना के बाद शिवा के परिजनों ने इसे हत्या बताया हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा दुबे करीब 11 दिनों से फरार थीं।

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को शांति और विकास के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताकर इसके पूरे तंत्र को सामूहिक रूप से समाप्त करने का सशक्त आह्वान किया है। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता, और इससे निपटने में दोहरे मापदंड नहीं दिखा सकते हैं। राजनाथ सिंह ने जोर दिया कि आतंकवादियों को आर्थिक मदद देने, उनका समर्थन करने या उन्हें सुरक्षित छिपाने उपलब्ध

करने वालों को कोई जगह नहीं होनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद न केवल निंदोयोग्य की जान लेता है, बल्कि निवेश और व्यापार को भी प्रभावित करता है, समाज को कइतरा की ओर धकेलता है, और युवाओं को अवसरों से वंचित करता है। उन्होंने बिश्केक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संगठन के लिए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों के आह्वान को दोहराया। राजनाथ सिंह ने इन स्तंभों को एक-दूसरे का पूरक बताया, जहां सुरक्षा निवेश के अवसर पैदा करती है, संपर्क व्यापार को बढ़ावा देता है और इन दोनों के माध्यम से लोगों के लिए नए अवसर तैयार होते हैं। भारत ने ताशकंद में

सार्वभौमिक केंद्र और दुशान्बे में मादक पदार्थ विरोधी केंद्र को एससीओ की स्थायी संस्थाएं बनाने के फैसले का स्वागत किया, हालांकि उनकी उपयोगिता आपसी तालमेल और कार्य निष्पादन की राति पर निर्भर करेगी। क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच बेहतर समन्वय और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। आर्थिक सहयोग पर अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए, राजनाथ सिंह ने समावेशी भागीदारी की वकालत की, जिससे प्रत्येक सदस्य देश को लाभ मिले। उन्होंने मजबूत और संकटों का सामना करने में सक्षम आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने, व्यापार व निवेश को आसान बनाने तथा विकास के लिए

प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर जोर दिया। आर्थिक सहयोग का लाभा समाज के सभी वर्गों तक पहुंचना चाहिए। साझा समृद्धि के लिए संपर्क व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए, भारत ऐसी संपर्क परियोजनाओं का समर्थन करता है जो बाजारों को जोड़े, व्यापार को आसान बनाएं और विकास के नए अवसर पैदा करें, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा और चाबहार बंदरगाह। हालांकि, रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी संपर्क परियोजनाएं परामर्श और उन्में शामिल प्रत्येक देश की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर आधारित होनी चाहिए, क्योंकि इन सिद्धांतों का सम्मान न करने वाली परियोजनाएं टिकाऊ नहीं हो

संपादकीय

गैंग्स्टर्स का खौफ

देश में कानून-व्यवस्था के समांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तौर-तरीके जरूर बदले हों, लेकिन उनका खौफ गाहे-बगाहे बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंग्स्टरों का दखल बढ़ रहा है। रविवार को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंग्स्टरों का दखल बढ़ रहा है। रविवार को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंग्स्टरों कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंग्स्टरों के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन अभियुक्तों की गिरफ्तारियों से टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के पीछे के आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिल सकेगी। निश्चय ही इस दिशा में कोशिशें तेज करने की जरूरत है। मुंबई पुलिस के लिये ये गिरफ्तारियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि इससे पहले कई फिल्मी सितारों को गैंग्स्टरों की तरफ से धमकियां दी जाती रही हैं। जिनमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी और फिल्म स्टार सलमान खान को डराने के लिये भी गोलीबारी की घटनाएं विगत में हो चुकी हैं। निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इक्का-दुक्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं। यदि समय रहते ऐसे गैंग्स्टरों की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खमियाजा कालांतर कानून-व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगतना पड़ेगा।

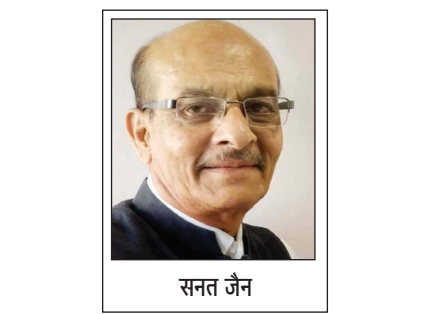
दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यहां उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुखियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाहे-बगाहे विभिन्न अपराधों में संलिप्तता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बताये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतर्राष्ट्रीय गैंग्स्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमवीर सिंह को कनाडा से डिपोर्ट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठागठ से जुड़ा बताया जाता है। बहरहाल, टाइगर पर हमले वाली घटना सार्वजनिक सुरक्षा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर हमलावर मुंबई के एक बेहद भीड़-भाड़ वाले इलाके में किसी सेलिब्रिटी पर गोली चलाकर फरार हो सकते हैं और अपराध करने के बाद राज्य की सीमा से बाहर चले जाते हैं, तो यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल है। यह घटनाक्रम खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था और पुलिस की एहतियाती कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। आपराधिक गिरोहों को कानूनी व्यवस्था की खामियों का लाभ उठाने से रोकने के लिये देश के विभिन्न राज्यों के बीच लगातार सहयोग होना जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सूचना को लेकर तालमेल उतना ही जरूरी है, क्योंकि अपराधी गिरोह बख़ौफ़ होकर सीमाओं के पार भी अपनी गतिविधियां बेरोक-टोक चला रहे हैं। निश्चित रूप से बॉलीवुड सितारों और अन्य विशिष्ट लोगों को चाकचौबंद सुरक्षा मिलनी ही चाहिए। लेकिन हर आम आदमी को भी सुरक्षा पाने का हक है। निस्संदेह, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को चुनौती देने वाले इन गिरोहों की कमर तोड़ना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जनगणना के नए नियमों पर विवाद, जनगणना में संघ का हस्तक्षेप?



भारत में जनगणना केवल आबादी गिनने की सरकारी प्रक्रिया नहीं है। देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय तस्वीर तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण आधार हर 10 वर्ष में होने वाली जनगणना है। इसी आंकड़े से सरकार की योजनाएं बनती हैं। संसधानों का वितरण होता है। भविष्य की नीतियों की दिशा तय होती है। ऐसे महत्वपूर्ण कार्य को लेकर विवाद खड़ा होना निश्चित रूप से चिंता

का विषय है। वर्ष 2021 में होने वाली जनगणना में 6 वर्ष की देरी के बाद अब 2027 की जनगणना के लिए नियमों में बदलाव ने राजनीतिक बहस छेड़ दी है। जनगणना भी अब राजनीतिक विवादों का विषय बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय ने 16 अक्टूबर 2026 को जनगणना नियम, 1990 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 18 के तहत किए गए इस बदलाव के अनुसार अब सरकारी संस्थानों के साथ निजी शिक्षण संस्थानों, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों, सोसायटियों, ट्रस्टों तथा विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को भी गणना के काम में लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन जिसे उपयुक्त समझे, ऐसे व्यक्ति को भी गणनाकर्मी नियुक्त कर सकता है। सरकार का तर्क है, इतने विशाल देश में जगणना के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मचारी जुटना बड़ी चुनौती है। कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या कम है। ऐसे में केवल सरकारी कर्मचारियों पर निर्भर रहने से शैक्षणिक

कार्य और जनगणना के कार्य प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर, सवाल यह है, कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए क्या चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और राजनीतिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं? कांग्रेस ने इस बदलाव पर गंभीर आपत्ति जताई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर और जनगणना को लेकर उसकी तैयारियों का हवाला देते हुए आशंका व्यक्त की है। नए नियमों से संघ से जुड़े लोगों को जनगणना में शामिल करने का रास्ता खोला गया है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया है। कर्नाटक के बेलगांव मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें जनगणना को लेकर प्रशिक्षण दिया गया है। कांग्रेस का आरोप है, कि जनगणना जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में अत्यधिक रूप से जुड़े लोगों की भूमिका आंकड़ों की निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा करती है। कांग्रेस की चिंता को केवल राजनीतिक विरोध कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। हाल के वर्षों में

चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया पर उठे विवादों ने संस्थानगत विश्वसनीयता को सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया है। चुनाव संबंधी आरोपों और जनगणना में संभावित गड़बड़ी में जातीय और धार्मिक आधार पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी किए जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जनगणना के कर्मचारी किसी राजनीतिक दल, विचारधारा या संगठन के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की ओर से तथ्य जुटाने वाले अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। उनकी नियुक्ति, प्रशिक्षण, पहचान, निगरानी और जवाबदेही तय की जाती है। सरकारी कर्मचारी होने के नाते वह अपने काम को नियम के साथ करते हैं और उसके लिए जिम्मेदार भी होते हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है, जनगणना 2027 की प्रक्रिया पूरी तरह रुकी हुई नहीं है। सरकार के अनुसार 2026 में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का पहला चरण शुरू हो चुका है।

आस्था की कीमत जान देकर चुकाते श्रद्धालु!



देश भर के धार्मिक आयोजन स्थलों पूजा पंडालों तीर्थ मंदिरों स्नान घाटों पर बर्दईतजामी चरम पर है कमोवेश सभी जगह एक सी हालत है अब कोलकाता के उत्तर हिस्से में चित्ररंजन एवेन्यू के पास चोरबागान दुर्गापूजा पंडाल में 17 अक्टूबर शनिवार शाम मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 घायल हो गए।घायलों में एक की हालत गंभीर है। मृतकों में चार पुरुष, दो बच्चे और 13 महिलाएं शामिल हैं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे बंगाल में हड़कंप मच गया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनमें पूजा समिति के पदाधिकारी और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोग शामिल हैं. अदालत ने सभी आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है. हादसे के बाद सरकार ने भीड़ संभालने के लिए नौ आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है. तमाम हिन्दू धार्मिक आयोजनों दुर्गा पूजा पंडाल गणेश विसर्जन यात्रा में अति इन्साह कुप्रबन्ध बना रहता है आम श्रद्धालु श्रद्धा के अतिरंके में घंटों भूख प्यास सह कर भी लाइन में लगकर दर्शन पूजन के लिए अपनी बारी का इंतजार करता है। अधिकाश बड़े मंदिरों पर तो बाकायदा पैसे देकर वीआईपी दर्शन की सुविधा को ही वैधता दे दी गई है। बहरहाल इस सब बर्दईतजामी के चलते अब आस्था का मोल श्रद्धालु अपनी जान देकर चुकाने को मजबूर हैं। आपको याद दिला दें कि श्रावण मास का तीसरे सोमवार 17 अगस्त 2026 को

श्रद्धालुओं के जीवन पर भारी पड़ गया। इस दिन विभिन्न राज्यों में धार्मिक स्थलों पर हुई भगदड़ और हादसों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई। बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से 7 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि कई अन्य हादसों में कम से कम बीस जान गयीं हैं जबकि हाताहतों का तादाद सैकड़ों की संख्या में है। घायल हुए। दरअसल यह हादसों की पहली बार नहीं है हिन्दू धर्म स्थानों पर कुप्रबन्ध अव्यवस्था रखरखाव में गड़बड़ी संकीर्ण गलियारें और श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद असंयमित व्यवहार के साथ ही अकवाहों की साजिशें हर पर्व त्योहार दर्शन स्नान मेलों में हादसों की श्रृंखला बना रहे हैं। आपको बता दें कि बिहार के अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान बिजली का खेपा गिरने और अकवाह फैलने से मची भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की मौत और 19 से अधिक घायल हुए। वहीं मध्य-प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित चार राज्यों में विभिन्न हादसों और भीड़ के दबाव के कारण कुल 27 लोगों की जान चली गई।अभी दो माह पहले ही महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशवाड़ी मारुति मंदिर में शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर दिया । मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भरपराकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए छह लोगों की मौत हो गई थी। आपको याद होगा कि महाकुंभ मेला, प्रयागराज जनवरी 2025 मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के अत्यधिक दबाव से अचानक बैरिकेड्स ढह गए। इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए।इसी तरह तिरुमला वैकंटेडर मंदिर, आंध्र प्रदेश में जनवरी 2025 वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान वीआईपी और सामान्य दर्शन टिकट लेने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस भीड़ के अनियंत्रित होने से मची भगदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

वहीं हाथरस सत्संग, उत्तर प्रदेश 2 जुलाई 2024 को एक धार्मिक आयोजन में बरती गयी लापरवाही सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान ले गयी। यह हाल के वर्षों की सबसे भीषण घटनाओं में से एक है। क्षमता से तीन गुना अधिक यानी करीब 2.5 लाख लोग एक अस्थायी टेंट में जमा हो गए थे। बाबा के जाने के बाद धूल छूने की होड़ और अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई। माता वैष्णो देवी भवन जनवरी 2022 को नए साल के मौके पर जम्मू-कश्मीर के कटरा में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच हुई रेलमेल में 12 लोगों की जान चली गई थी।रतनगढ़ माता मंदिर, दत्तिया मध्य-प्रदेश में अक्टूबर 2013 नवरात्रि के दौरान मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं के बीच पुल टूटने की अफवाह उड़ी, जिससे मची भगदड़ में 89 लोगों की मौत हुई थी। छठ घाट पर नवंबर 2012 में बिहार की राजधानी पटना में छठ पर्व के दौरान नदी घाट पर अचानक मची अफरा-तफरी के कारण 20 बतियों और श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।नैना देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश में अगस्त 2008 भूस्खलन और चढ़ाने गिरने की झुटी अफवाह के बाद फैली दहशत से 162 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचलकर मौत हो गई थी।चामुंडा देवी मंदिर, जोधपुर में सितंबर 2008 नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में बम होने की अफवाह फैलने से मची भयंकर भगदड़ में करीब 250 लोगों की जान चली गई थी।सबरीमाला, कर्ल जनवरी 2011 मकरज्योति के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के बीच वाहन दुर्घटना के बाद मची भगदड़ में 104 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी।मधारदेवी मंदिर, महाराष्ट्र जनवरी 2005 में सालाना यात्रा के दौरान नायखिल के पानी से सीढ़ियां फिसलनी होने के कारण लोग गिरते गए, जिसमें 340 से अधिक श्रद्धालु मारे गए थे। पिछले दिनों यूपी के वृन्दावन में इस्कॉन मंदिर के गेट पर गगर निगम द्वारा लगाए गए शॉवर कूलर में अचानक करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक 21 वर्षीय श्रद्धालु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में उमड़ने वाली भारी

सीजेपी के विरोध में ‘लाल हिट जनता पार्टी’ का उदय



वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वह जनता के सामने कौन-से तथ्य रखता है और जनहित के सवालों पर उसका दृष्टिकोण कितना स्पष्ट है।मोडिया रिपोर्टें में सीजेपी से जुड़े लोगों पर अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग प्राप्त करने जैसे आरोप लगाए जाने को बात सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से देखा जा सकता है, लेकिन किसी भी आरोप को प्रमाण के बिना स्थापित तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा। यदि किसी संगठन की गतिविधियों, वित्तीय स्रोतों या प्रदर्शनों के दौरान उसके आचरण को लेकर संदेह है, तो संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता सभी संगठनों के लिए आवश्यक है। जो संगठन जनता के नाम पर आंदोलन करते हैं, उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने उद्देश्यों, नेतृत्व, वित्तीय संसाधनों और गतिविधियों के संबंध में जवाबदेह रहें। लेकिन यही कसौटी उन संगठनों पर भी लागू होनी चाहिए जो विरोध प्रदर्शनों का प्रतिरोध करने के लिए सामने आते हैं।एक पक्ष पर लगाए गए आरोपों को दूसरे पक्ष की स्वतन्त्र निर्दोषता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कानून का शासन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि जांच तथ्यों के आधार पर हो, न कि राजनीतिक पसंद और नापसंद के आधार पर। यदि किसी संगठन को लेकर गंभीर शिकायत है, तो सक्षम संस्थाओं को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपों के आधार पर किसी समूह को दोषी घोषित करना न्यायपूर्ण लोकतंत्र की भावना के विपरीत है।अयान भटनागर ने यह भी दावा किया है कि प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों का धंधा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित बदसलूकी का मुद्दा भी उठाया। इन शिकायतों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है, लेकिन व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है कि किसी भी आंदोलन के दौरान आम नागरिकों के अधिकारों और सार्वजनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।बाजरां में काम करने वाले व्यापारी, दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिक, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, मरीज और विद्यार्थी किसी भी राजनीतिक विवाद के प्रत्यक्ष पक्षकार नहीं होते। यदि विरोध प्रदर्शनों के कारण यातायात बाधित होता है, दुकानों का कारोबार प्रभावित होता है या लोगों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती है, तो इसका समाधान मिलाना जरूरी है।इसका अर्थ यह नहीं कि कारोबार या यातायात में असुविधा का हवाला देकर हर प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन प्रदर्शन के लिए उचित स्थान, समय और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा अधिकृत कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखे। पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की कोई घटना होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।अयान भटनागर का यह कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फोन कर दें तो बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर आ सकते हैं, राजनीतिक लामबंदी की संभावनाओं की ओर संकेत करता

है। लेकिन किसी नेता के आह्वान पर भीड़ जुट जाना और किसी विचार को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होना दो अलग-अलग बातें हैं।भीड़ की संख्या किसी संगठन की वास्तविक सामाजिक स्वीकार्यता का एकमात्र प्रमाण नहीं हो सकती। जनसमर्थन का मूल्यांकन इस बात से भी होना चाहिए कि संगठन कितने समय तक सक्रिय रहता है, समाज के वास्तविक मुद्दों पर क्या योगदान देता है और अपने विचारों को कितनी स्पष्टता से प्रस्तुत करता है। किसी भी राजनीतिक या सामाजिक संगठन की विश्वसनीयता उसके काम, व्यवहार और जवाबदेही से बनती है। यदि %लाल हिट जनता पार्टी' वास्तव में सीजेपी की गतिविधियों का वैचारिक प्रतिरोध करना चाहती है, तो उसे अपने उद्देश्यों और कार्ययोजना को स्पष्ट करना होगा। केवल किसी विरोधी संगठन के खिलाफ खड़ा होना स्थायी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है। जनता यह भी जानना चाहेगी कि संगठन लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों, चुनावी पारदर्शिता और सार्वजनिक व्यवस्था जैसे सवालों पर क्या सोचता है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में विचारों का टकराव स्वाभाविक है। यहां सत्ता पक्ष और विपक्ष, सरकार समर्थक और सरकार विरोधी, तथा अलग-अलग सामाजिक समूहों को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इस अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। किसी आंदोलन को केवल उसके विरोधियों की नाराजगी के आधार पर गलत नहीं कहा जा सकता और किसी विरोधी संगठन को केवल उसके नाम या राजनीतिक झुकाव के आधार पर खारिज करना भी उचित नहीं है। %लाल हिट जनता पार्टी का उदय फिलहाल सीजेपी के विरोध में एक नई संगठनात्मक पहल के रूप में सामने आया है। यह पहल अगर किस दिशा में जाएगी, इसका आकलन उसके भविष्य के कार्यों और सार्वजनिक व्यवहार के आधार पर ही किया जा सकता है। अभी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा संगठन किसे चुनौती देता है, बल्कि यह है कि इस राजनीतिक टकराव से लोकतांत्रिक विमर्श को क्या हासिल होगा। यदि दोनों पक्ष तथ्य, तर्क और शांतिपूर्ण संवाद का रास्ता अपनाते हैं, तो जनता को लाभ हो सकता है। लेकिन यदि यह मुकाबला केवल आरोपों, उत्तेजना नारों और भीड़ जुटाने की प्रतिस्पर्धा तक सीमित रहा, तो लोकतंत्र के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। लोकतंत्र में किसी विचार का जवाब दूसरा विचार है, किसी आरोप का जवाब प्रमाण है और किसी विवाद का बेहतर समाधान संवाद है। सीजेपी हो या 'लाल हिट जनता पार्टी', दोनों के लिए असली चुनौती एक-दूसरे को हराना नहीं, बल्कि जनता के सामने अपनी विश्वसनीयता साबित करना है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब विरोध का अधिकार सुरक्षित रहे, विरोध का विरोध करने की स्वतंत्रता भी बनी रहे और दोनों के बीच कानून, मयादा तथा जनहित की सीमाओं का सम्मान किया जाए।

मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची प्रकाशित, आपतियां एवं सुझाव आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):— भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदेय स्थलों के संभाजन (Rationlization) एवं पुनर्व्यवस्थापन के निर्देश दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अमरोहा ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुपालन में मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निर्धारण तथा नए मतदेय स्थल स्थापित किए जाने हेतु भवनों के चिह्नंकन की कार्यवाही के उपरांत मंगलवार को जिला निर्वाचन कार्यालय, अमरोहा एवं जनपद के समस्त उपजिलाधिकारियों/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपने-अपने तहसील कार्यालयों में मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची (अनुलग्नक-1) आपतियों एवं सुझावों के लिए विधिवत प्रकाशित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मतदेय स्थलों की आलेख्य सूचियां जनसामान्य के निरीक्षण हेतु जनपद अमरोहा की आधिकारिक वेबसाइट amroha.nic.in पर डीईओ पोर्टल के अंतर्गत भी उपलब्ध हैं। संबंधित व्यक्ति प्रकाशित सूची का अवलोकन कर सकते हैं तथा मतदेय स्थलों के संबंध में अपनी आपतियां एवं सुझाव संबंधित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

हसनपुर तहसील क्षेत्र में ख़ूब फल फूल रहा अवैध प्लांटिंग का कारोबार, प्रशासनिक कार्यवाही सवालों के घेरे में

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):— तहसील क्षेत्र में अवैध प्लांटिंग का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। अधिकारियों द्वारा कार्रवाई का दावा किया जाता है, इसके बावजूद इस पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। अब प्रांपटी डीलरों ने शहर और कस्बों को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों को अपना ठिकाना बना लिया है, जहां बिना सरकारी अनुमति के कृषि योग्य भूमि को प्लांटों में तब्दील किया जा रहा है। डीलर गांवों में पहुंचकर किसानों की उपजाऊ जमीन को ऊंचे दामों का लालच देकर खरीद रहे हैं। पहले कुछ प्रतिशत राशि एडवांस देकर एग्रीमेंट कर लिया जाता है। एग्रीमेंट में कई



महीनों का समय लिया जाता है और इसी दौरान जमीन पर मिट्टी भराव और प्लांटिंग शुरू कर दी जाती है। इसके बाद लोगों को सस्ते प्लाट और भविष्य में ऊंचे मुनाफे के सपने दिखाकर जमीन को गजों के हिसाब से बेच दिया जाता है। तहसील क्षेत्र

के ढवारसी, आदमपुर, रहरा, बुरावली सहित दर्जनों गांवों में प्लांटिंग का कार्य जोरों पर चल रहा है। यहां खेतों की मिट्टें तोड़कर रास्ते बनाया जा रहे हैं और कृषि भूमि को आवासीय भूमि के रूप में बेचा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है

कि अवैध प्लांटिंग से कृषि योग्य भूमि समाप्त हो रही है और भविष्य में सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर गंभीर समस्याएं पैदा होंगी। खरीदारों को बिना स्वीकृत लेआउट के प्लाट बेचे जा रहे हैं, जिससे उनके साथ धोखाधड़ी की आशंका बनी रहती है। प्रशासन की चुप्पी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं होती। कभी-कभार नोटिस जारी कर खानापूति कर दी जाती है, लेकिन धरातल पर प्लांटिंग रुकती नहीं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध प्लांटिंग पर सख्त कार्रवाई और नियमित निगरानी की मांग की है।

लाठी-डंडों से हमला कर महिला समेत तीन को किया घायल

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):— थाना क्षेत्र के गांव चक की मड़ैया सतैड़ा में मंगलवार सुबह मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया। आरोप है कि कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर महिला समेत तीन लोगों को घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची

पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। गांव निवासी दयाराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे वह अपने घर पर थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोग वहां पहुंचे और उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर

आरोपितों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में दयाराम, उनकी पत्नी राजवती और बेटा सुनील घायल हो गए। सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनपुर में भर्ती कराया। पीड़ित ने पुलिस को

तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सरोहा ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ढवारसी में भरत मिलाप की लीला देख भावुक हुए दर्शक

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):— तहसील क्षेत्र के गांव ढवारसी में चल रही रामलीला में सोमवार रात भरत मिलाप की लीला का मंचन किया गया। भगवान श्रीराम के चरित्र को जीवंत करने के लिए पर भरत उन्से मिलने वन की ओर पहुंचे। रामलीला मंच पर श्रीराम और

भरत के मिलन का दृश्य देखकर दर्शक भावुक हो उठे। कलाकारों ने भरत के भाई प्रेम, त्याग और समर्पण का शानदार मंचन किया। भरत ने भगवान श्रीराम से अयोध्या लौटने का आग्रह किया, लेकिन श्रीराम ने पिता के वचन और धर्म की मर्यादा का पालन

करते हुए वनवास की अवधि पूरी करने की बात कही। इस पर भरत ने श्रीराम की खड़ाऊं सिर पर रखकर उन्हें अयोध्या ले जाने का संकल्प लिया। मंचन के दौरान कलाकारों के प्रभावशाली संवाद और अभिनय ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। भरत मिलाप

की लीला देखने के लिए ढवारसी के अलावा आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग रामलीला मैदान पहुंचे। आयोजन स्थल पर दर्शकों की भीड़ को देखते हुए रामलीला कमेटी के पदाधिकारी व्यवस्था संभालने में जुटे रहे।

सलेमपुर गोसाई में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई माता की अखंड ज्योत

शोभा यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन भी रहा अलर्ट



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):— जनपद के गजरौला क्षेत्र के गांव सलेमपुर गोसाई में नवरात्रों के पश्चात दशहरा के दिन माता के दरबार में जलने वाली अखंड ज्योत को भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने गाजे बाजे के साथ बड़े ही धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ संपूर्ण गांव में निकाला। इस दौरान कमेटी के सदस्यों ने एक विशाल शोभा यात्रा का भी आयोजन कराया। जिसको संपूर्ण गांव में भ्रमण करते हुए वापस माता के मंदिर में जाकर समापन किया गया। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट दिखाई दिया। वहीं यात्रा में शामिल डीजे की धुन पर भक्त माता की मस्ती में झूमते मने नजर आए। इसके अलावा यात्रा में शामिल सुंदर-सुंदर झांकियों लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं जिन्होंने लोगों का खूब मन मोहा। बता दें कि गजरौला क्षेत्र के गांव सलेमपुर गोसाई स्थित मां चामुंडा देवी मंदिर पर साल में दो बार आने वाले प्रत्येक नवरात्रों को भक्तों द्वारा माता की अखंड ज्योत जलाई जाती है जो नवरात्रों के नौ



दिनों तक जलती है। इस दौरान वहां उपस्थित सेवादायों द्वारा माता की अखंड ज्योत के बड़े ही सावधानी और श्रद्धापूर्वक ध्यान रखा जाता है और रात दिन सेवकों द्वारा वहां सेवा की जाती है। माता की ज्योत पूरे 9 दिन तक जलती है जिसको भक्तों द्वारा दसवीं अर्थात् दशहरा के अवसर पर विसर्जन करने हेतु संपूर्ण गांव में भ्रमण करते हुए गंगा धाम तिगरी ले जाकर विसर्जन किया जाता है। कमेटी के सदस्यों एवं सेवादार रोहित कुमार प्रजापति एवं ने बताया कि उनके द्वारा वर्ष में दो बार आने वाले प्रत्येक नवरात्रों में माता के मंदिर में अखंड ज्योत जलाई जाती है।



उन्होंने कहा कि वह करीब 17 साल से माता के मंदिर में अखंड ज्योत की ज्योति प्रज्वलित करते हैं जिसको प्रतिवर्ष की भांति इसी तरह से संपूर्ण गांव में भ्रमण करते हुए बड़े ही और धूमधाम के साथ निकाला जाता है उसी कड़ी में मंगलवार को भी दशहरा के दिन नव दुर्ग पूर्ण होने पर उन्होंने अखंड ज्योति के विसर्जन हेतु एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन कराया जिसमें सभी सेवादार भक्तों ने एवं श्रद्धालुओं ने बड़े ही श्रद्धा पूर्वक बढ़-चलकर हिस्सा लिया और बड़े ही भक्ति भाव से शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा को माता के चामुंडा मंदिर से प्रारंभ किया गया

जिसको गांव के मुख्य मार्ग से भ्रमण कराते हुए वापस मंदिर प्रांगण में लाकर समापन कराया गया। समापन के बाद यात्रा में शामिल भक्तों को प्रसाद वितरण कर अखंड ज्योत को तिगरी गंगा धाम में विसर्जन हेतु प्रस्थान किया गया। यात्रा के दौरान उसमें माता शेराली के नौ रूपों को घोड़े की बर्षी पर बैठाकर माता की अखंड ज्योत के साथ पूरे गांव में भ्रमण कराया गया। वहीं यात्रा में शामिल डीजे की धुन पर भक्त लोग माता की मस्ती में झूमते नजर आए। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस प्रशासन भी यात्रा में पूरी तरह मुस्तेद दिखाई दिया। यात्रा में शामिल राधा कृष्ण की एवं शंकर पार्वती की सुंदर झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रही जिन्होंने अपनी कला बिखेरते हुए लोगों का खूब मन मोहा। कमेटी के सदस्यों ने कहा कि माता की कृपा हम पर हमेशा यू ही बनी रहे ताकि भविष्य में ही हम सब मिलकर इसी तरह से धर्म का प्रचार प्रचार करते रहे और माता रानी के गुना का गुणगान करते रहे।

पत्रकार नसीम हत्याकांड में हापुड़ देहात पुलिस का बड़ा एक्शन, आटा मिल मालिक समेत तीन आरोपी गिरफ्तार



लिफे पहुंचे थे पत्रकार नसीम
घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की दिशा में तेजी दिखाई। हापुड़ देहात थाना पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आटा मिल मालिक सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पत्रकार की मौत से जुड़े इस मामले में तीन गिरफ्तारियां



किए गंभीर सवाल
जरोठी रोड स्थित आटा मिल पर हुई घटना ने पत्रकारिता के कामकाज के दौरान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। समाचार और विज्ञापन संबंधी कार्यों के लिए पत्रकारों को विभिन्न स्थानों पर जाना पड़ता है। ऐसे में किसी विवाद के दौरान मारपीट की घटना और उसके बाद पत्रकार की

मौत बेहद गंभीर विषय है। इस मामले में घटना की परिस्थितियों और विवाद की वास्तविक वजह का स्पष्ट होना जरूरी है, ताकि पूरे घटनाक्रम की सही तस्वीर सामने आ सके।
तीन गिरफ्तारियों के बाद जांच और कानूनी प्रक्रिया पर निगाहें
हापुड़ देहात थाना पुलिस द्वारा तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किए जाने

के बाद अब मामले की जांच और आगे की कानूनी प्रक्रिया महत्वपूर्ण हो गई है। घटना से जुड़े साक्ष्यों का परीक्षण, आरोपियों की भूमिका का निर्धारण और मारपीट की परिस्थितियों की पड़ताल के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की ओर से जारी जानकारी में गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है।
नियक्ष जांच से सामने आएगी घटना की पूरी सच्चाई
पत्रकार नसीम की मौत का मामला गंभीर और संवेदनशील है। तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद जरूरी है कि जांच के प्रत्येक पहलू को तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर परखा जाए। घटना में शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट होने और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही पूरी तस्वीर सामने आएगी।

मिशन शक्ति फेज-06 के अंतर्गत मॉडर्न मिशन शक्ति केन्द्र का किया गया उद्घाटन



अमरोहा (सब का सपना):— मंगलवार को मिशन शक्ति के जनपदीय नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया द्वारा थाना अमरोहा नगर में मिशन शक्ति फेज-06 के अंतर्गत स्थापित मॉडर्न मिशन



शक्ति केन्द्र का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर प्रदीप कुमार, क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया सहित विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट

कार्य करने वाली महिला पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उद्घाटन के उपरांत मिशन शक्ति फेज-06 के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने तथा महिलाओं को

मां भगवती के विशाल जागरण में पहुंचे विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, लिया मां का आशीर्वाद



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):— मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गंगेश्वरी में मां भगवती के विशाल जागरण में पहुंचकर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने मां भगवती की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि मां दुर्गा शक्ति, साहस, करुणा और धर्म की प्रतीक हैं। सनातन धर्म में मां भगवती को जगत जननी और समस्त सृष्टि की पालनहार माना जाता

है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना नवरात्रों में विशेष श्रद्धा और भक्ति के साथ की जाती है। मान्यता है कि मां अपने भक्तों के कष्टों को दूर करती हैं और उन्हें सत्य, धर्म तथा सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा ने महिषासुर जैसे अत्याचारी का वध करके यह संदेश दिया कि सत्य और धर्म की सदैव विजय होती है तथा अधर्म और अन्याय का अंत निश्चित है। मां के हाथों में विराजमान अस्त्र-शस्त्र बुराई पर अच्छाई की



विजय और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक हैं। मां का सिंह साहस, शक्ति और निर्भीकता का संदेश देता है। विधायक ने कहा कि माता रानी का जागरण केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि श्रद्धा, आस्था, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का भी प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से लोगों में धार्मिक चेतना जागृत होती है और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा सहयोग की भावना मजबूत होती है। इस शुभ अवसर

पर विधानसभा संयोजक हेमराज सैनी, चीनी मिल डायरेक्टर देवकीनंदन पाल, जागरण आयोजक लवकुश मित्तल, विशाल देव त्यागी, राजू लाला, मुनीष ठाकुर, महेश प्रधानजी, धनेश ठाकुर, लोकेन्द्र डीलर, नवीन ठाकुर, राजेश ठाकुर, पंकज ठाकुर, पहलाद ठाकुर, डी पी ठाकुर, दीपक ठाकुर, सोनू ठाकुर, अन्नू ठाकुर, अतुल शर्मा, ओमप्रकाश सैनी, एवं कमेटी के सदस्य गण व समस्त ग्राम वासी उपस्थित रहे।

घरेलू कलह के चलते महिला ने लगाई फांसी, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी



डिंडौली/अमरोहा (सब का सपना):— जनपद के डिंडौली कोतवाली क्षेत्र में घरेलू क्लेश के चलते एक महिला ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। जिसका शव कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। बताया जा रहा है कि महिला अपने पति के साथ किराए के मकान में रहती थी। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य से जुटाए हैं। वहीं पुलिस के उच्च अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया है। बता दें कि घटना मंगलवार की सुबह की है जहां एक महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते किराए के कमरे में फांसी

लगाकर अपनी जान दे दी। पत्नी को फंदे पर लटका देखकर पति बेहोश हो गया। उसे उपचार के लिए पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जाया ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। सीओ डॉ. प्रदीप कुमार और डिंडौली कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच को जानकारी के अनुसार डिंडौली थाना क्षेत्र के गांव जोई निवासी खालिद के पुत्र मोनिश की शादी करीब डेढ़ साल पहले 40 वर्षीय सनम उर्फ नननिशा से हुई थी। दोनों जोया के मोहल्ला मुल्लाना



में नगमा पत्नी अख्तर के मकान में किराये पर रह रहे थे। दंपती का आठ माह का एक बेटा है। बताया गया कि मंगलवार सुबह घरेलू विवाद के बाद सनम ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर मोनिश ने गेट पीटा। इसके बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उसने दरवाजे के ऊपर बने वेंटिलेटर को तोड़कर अंदर देखा। सनम को फंदे पर लटका देखकर वह बेहोश हो गया। बताया गया कि सनम की पहली शादी ग्राम जोई निवासी अली हसन पुत्र अहमद हसन से हुई थी। पहली शादी से उसके चार

बच्चे हैं। बाद में उसने मोनिश से प्रेम विवाह किया था। सनम का मायका गांव रामपुर फतेहड़ी, थाना धनौरा, जिला अमरोहा में है। मंगलवार सुबह साढ़े दस बजे घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस की जांच जारी है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं पुलिस जिला अस्पताल में पति से जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

नजीबाबाद में रामलीला मंच पर जीवंत हुई मेघनाद वध और सती सुलोचना की गाथा , कलाकारों के अभिनय ने मोहा मन

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- श्री राम जानकी कला परिषद द्वारा आयोजित रामलीला में बीती मंगलवार की रात मेघनाद वध, सती सुलोचना और यज्ञ भंग की लीला का अत्यंत मर्मस्पर्शी मंचन किया गया। जैसे ही मंच पर लीला शुरू हुई, पूरा पंडाल राममय हो गया। कलाकारों के जीवंत अभिनय ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मेघनाद वध के प्रसंग में लक्ष्मण और मेघनाद के बीच हुए युद्ध के दृश्य ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वहीं सुलोचना के सती होने के दृश्य ने



सभी की आंखें नम कर दीं। सुलोचना के त्याग और पतिव्रता धर्म के चित्रण पर दर्शकों ने तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

यज्ञ भंग की लीला भी बेहद प्रभावशाली रही। लीला में राम की भूमिका में शिवम गोयल, लक्ष्मण की भूमिका में शिवम शर्मा, हनुमान की

भूमिका में आकाश नामदेव, रावण की भूमिका में अंकुर गुप्ता, मेघनाद की भूमिका में नमन गोयल, सुलोचना की भूमिका में हनी शर्मा और मंदोदरी की भूमिका में आयुष सैनी ने अपने सशक्त अभिनय से मंच पर जान फूंक दी। यह आयोजन संरक्षक अक्षत कुमार अग्रवाल (उडकवाले), निदेशक हरिओम सिंघल और मंत्री नरेंद्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। भारी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने कलाकारों की कला की भरपूर सराहना की।

आरएसएस ने हर्षोल्लास से मनाया विजयदशमी उत्सव

पूर्ण गणवेश में शामिल हुए स्वयंसेवक, बौद्धिक सत्र में दिया मार्गदर्शन

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से विजयदशमी उत्सव नगर डिबाई स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल हुए। उत्सव के दौरान संघ की परंपराओं और विचारों के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 59



स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। इनमें 45 स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में, 10

बिना गणवेश के तथा चार बाल स्वयंसेवक शामिल रहे। कार्यक्रम में श्रीमान नरेंद्र जी ने बौद्धिक प्रदान किया। इस दौरान संघ चालक उमेश राठी जी तथा नगर कार्यवाह दीपक अग्रवाल सहित अन्य स्वयंसेवक मौजूद रहे। विजयदशमी उत्सव के माध्यम से स्वयंसेवकों ने संगठन के प्रति समर्पण और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन का संदेश दिया

काली महायात्रा के कलाकार सम्मानित

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- राजघाट में श्री श्याम सेवा मंडल ट्रस्ट की ओर से गोयल आवास पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें अष्टमी पर निकली मां काली की महायात्रा में काली के स्वरूप बने कलाकारों को पटका पहनाकर और उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम ट्रस्ट अध्यक्ष विकास कौशिक के निदेशानुसार हुआ। इस दौरान ट्रस्ट के पदाधिकारी और रुद्र रूपानी अखाड़े के सदस्य मौजूद रहे।



विधायक ओम कुमार ने श्री राम के प्रतीकात्मक बाण से किया रावण दहन



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयादशमी (दशहरा) पर्व नहटौर में अत्यंत हर्षोल्लास व धूमधाम पर आदर्श रामलीला कमेटी की ओर से जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रांगण में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राण समाचार के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नहटौर विधायक

ओम कुमार एवं सभासद मुकेश गुप्ता मौजूद रहे। विधायक ओम कुमार और मुकेश गुप्ता द्वारा श्रीराम के प्रतीकात्मक बाण (रामबाण) से रावण के विशाल पुतले का दहन किया गया। इससे पूर्व जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज प्रांगण में आयोजित एक दिवसीय विशाल दशहरा मेले का शुभारंभ सभासद मुकेश गुप्ता द्वारा किया गया। मेले में नहटौर एवं आसपास के क्षेत्रीय



लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने पहुंचकर मेले का लुत्फ उठाया और जमकर खरीदारी की। सुरक्षा की दृष्टि से थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार भारी पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे।

इस अवसर पर अंकज अध्यक्ष रणजीत जोशी, संजु सैनी, सिद्धांत जैन, विपिन वर्मा, वैभव गोयल, डॉ. शशांक गौतम, राहुल चौधरी, प्रशांत वर्मा, बिंदू सैनी, अरुण सैनी, अंशित जैन, रोबिन सैनी, पारस जैन, नितिन सैनी, रोहन सैनी, कपिल सैनी, अनमोल त्यागी, मोहित शर्मा, मोनू सैनी, निशु सैनी व संचालन पल्लव अग्रवाल ने किया। इसके अलावा क्षेत्र के गांव फलीदा, मुस्सेपुरा, खंडसाल, नहेड़ा सहित 5 स्थानों पर भी रावण दहन किया गया।

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में सीएसजेएमयू को मिली चार स्टार रेटिंग : प्रो. विनय पाठक

एजेंसी कानपुर। नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता को बढ़ावा देना उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने, समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने और स्टार्टअप के लिए प्रेरित करने की दिशा में विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों से मिली उपलब्धि भविष्य में भी बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। यह बातें रविवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने विश्वविद्यालय को चार स्टार रेटिंग मिलने पर कही। विश्वविद्यालय को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इन्वेंशन सेल ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए



पांच में से चार स्टार रेटिंग प्रदान की है। मूल्यांकन में 79.38 अंक हासिल किए। इससे नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। विश्वविद्यालय की प्रदर्शन रिपोर्ट के अनुसार, सत्र के दौरान कुल 93 गतिविधियां प्रस्तुत की गई थीं,

जिनमें से 90 को स्वीकृति मिली। मूल्यांकन में गतिविधियों के प्रदर्शन को 80 प्रतिशत और सहभागिता को 20 प्रतिशत भा दिया गया था। गतिविधि प्रदर्शन में 74.67 अंक और सहभागिता में 4.71 अंक मिले। दोनों को मिलाकर विश्वविद्यालय का कुल स्कोर 79.38 रहा। शिक्षा मंत्रालय का इन्वेंशन सेल उच्च शिक्षण

संस्थानों में संचालित इंस्टीट्यूशनल इन्वेंशन काउंसिल की गतिविधियों का आकलन करता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों में रचनात्मक सोच, उद्यमशीलता, स्टार्टअप संस्कृति और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना है। विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस उपलब्धि में शिक्षकों, विद्यार्थियों, छात्र समन्वयकों और इंस्टीट्यूशनल इन्वेंशन काउंसिल की भूमिका रही। विश्वविद्यालय ने आगे भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बौद्धिक संपदा अधिकार, उद्योग-अकादमिक सहयोग और नवाचार के क्षेत्र में प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है।

युवती को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप, केस दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के थाना बछरायूं में क्षेत्र में एक युवक द्वारा एक युवती को बहला फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि युवती अपने पड़ोसियों के साथ रामलीला देखने गई थी जिसको क्षेत्र निवासी एक युवक रोहित कुमार बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। इस मामले में पुलिस ने युवक रोहित कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच पड़ताल में जुड़ गई है। बता दें कि पॉइंट पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक



के खिलाफ केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना 18 अक्टूबर 2026 की रात करीब 10 बजे की है जहां मंडी धनौरा

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी पड़ोसियों के साथ रामलीला देखने गई थी। इसी दौरान बछरायूं थाना क्षेत्र

के रोहित (पुत्र रामपाल) उसे बहला-फुसलाकर ले गया। रात तक जब युवती घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश की। कहीं सुराग न मिलने पर पिता ने मंडी धनौरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। मंडी धनौरा पुलिस ने 19 अक्टूबर को आरोपी रोहित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह के निर्देश पर टीम काम कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर युवती को सुरक्षित ढूंढ लिया जाएगा।

नगीना में हर्षोल्लास से मनाया गया विजयादशमी का पर्व

महाकाली मंदिर पर लगा विशाल मेला, राजेश कुमार सोलंकी और सलिल अग्रवाल ने अग्निबाण चलाकर किया रावण व मेघनाथ के पुतलों का दहन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक विजयादशमी (दशहरा) का पर्व नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हिंदू परिवारों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। बहनों ने भाइयों के कानों पर नीरते रखकर एक-दूसरे को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं। वहीं, कई परिवारों में परंपरा के अनुसार अस्त्र-शस्त्रों का पूजन भी किया गया। दशहरा के अवसर पर धामपुर मार्ग स्थित रामलीला ग्राउंड में दुर्गा माता (महाकाली एवं शेरवाली माता) के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मंदिर पर विशाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने माता के मंदिर में प्रसाद



एवं शृंगार सामग्री अर्पित कर अपने और अपने परिवार की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। मेले में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों, खेल-खिलौनों एवं अन्य सामान की दुकानें सजी रहीं। श्रद्धालुओं ने मेले में जमकर खरीदारी की। बच्चों में खेल-खिलौनों को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। पूरे दिन मेले में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही। श्री रामलीला कमेटी की ओर से मेले में रामलीला मंचन से संबंधित विभिन्न

झाकियां निकाली गईं। शाम होते ही बुराई के प्रतीक रावण और मेघनाथ के पुतलों के दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार सोलंकी एवं सलिल अग्रवाल ने अग्निबाण चलाकर दोनों पुतलों का दहन किया। पुतलों के दहन के दौरान उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। रावण दहन देखने के बाद मेले में मौजूद लोगों ने विभिन्न दुकानों से खरीदारी की और अपने

घरों को लौटे। मेले में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए मेले के मार्ग पर दोनों ओर से वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया। इसके चलते वाहन चालकों को कुछ असुविधाओं का सामना भी करना पड़ा। सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार पुलिस बल एवं पीएससी के जवानों के साथ मुस्तैद रहे। पुलिसकर्मियों ने मेले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अराजकतयों पर भी पैनी नजर रखी। इस अवसर पर रवीश अग्रवाल, हरिगोपाल अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, सलिल अग्रवाल, विकास अग्रवाल, प्रमोद चौहान, मयंक अग्रवाल, चौधरी दिग्विजय सिंह, शीतांशु अग्रवाल सहित सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मरीजों की एंबुलेंस में आतिशबाजी की तस्करी

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने पकड़ी अवैध आतिशबाजी, चार आरोपी गिरफ्तार



बिजनौर (सब का सपना):- अपराधियों ने पुलिस को चकमा देने के लिए मरीजों को ले जाने वाली निजी एंबुलेंस का ऐसा इस्तेमाल किया, जिसे देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक निजी एंबुलेंस की तलाशी ली तो उसमें भारी मात्रा में आतिशबाजी का सामान बरामद हुआ। एंबुलेंस में कई काटूनों में

भरकर एक कुंतल से अधिक आतिशबाजी के आइटम छिपाकर ले जाए जा रहे थे। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और आतिशबाजी के सामान को विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों, खेल-खिलौनों एवं अन्य सामान की दुकानें सजी रहीं। श्रद्धालुओं ने मेले में जमकर खरीदारी की। बच्चों में खेल-खिलौनों को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। पूरे दिन मेले में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही। श्री रामलीला कमेटी की ओर से मेले में रामलीला मंचन से संबंधित विभिन्न

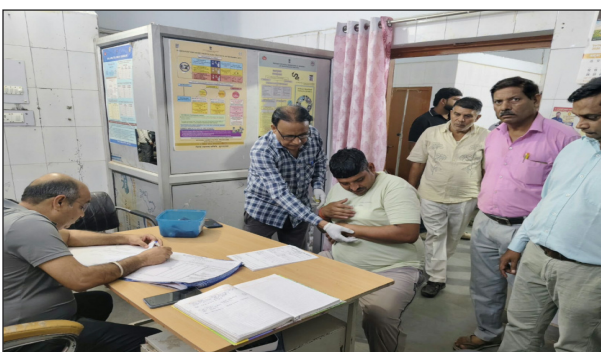


रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान एंबुलेंस में बड़ी मात्रा में आतिशबाजी का सामान रखा मिला। बताया जा रहा है कि आरोपी पुलिस को गुमराह करने के लिए एंबुलेंस का इस्तेमाल कर रहे थे, ताकि किसी को उन पर शक न हो और आतिशबाजी के सामान की खरीद-फरोख्त की जा सके। एंबुलेंस से कई काटूनों में रखा एक कुंतल से अधिक

आतिशबाजी का सामान बरामद होने के बाद पुलिस ने उसमें सवार चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामद सामान को कब्जे में लेकर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। मरीजों को ले जाने के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहन में आतिशबाजी छिपाकर ले जाने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गुलावटी के बराल में दो पक्षों के झगड़े में 12 पर केस

गुलावटी/बुलंदशहर(सब का सपना):- गुलावटी कोतवाली क्षेत्र के गांव बराल में बच्चों के खेलने को लेकर हुई कलहानी के बाद बड़ों में हुए झगड़े के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से 12 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि बच्चों के खेलने को लेकर बड़ों में विवाद हो गया था, जिसमें दो पक्ष आमने-सामने आ गए।



दोनों पक्षों की ओर से 3 लोगों का मेडिकल सरकार अस्पताल में कराया गया था। गांव बराल के सुधीर

तोमर की तहरीर पर पुलिस ने राहुल, रोहित, सोनू, इंद्रजीत व चार अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सुधीर ने आरोपियों पर मारपीट करने के साथ तमंचे की बट से हमला करने जैसा गंभीर आरोप भी लगाया है। बराल निवासी गुहल तोमर की तहरीर पर पुलिस ने बराल के ही हर्ष तोमर, सुधीर, अंकुश, सुमित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि बच्चों के खेलने को लेकर बड़ों में विवाद हो गया था, जिसमें दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों की ओर से 3 लोगों का मेडिकल सरकार अस्पताल में कराया गया था।

बिजनौर में रावण और मेघनाद के पुतलों का दहन, रामलीला मैदान में उमड़ी हजारों की भीड़

बिजनौर (सब का सपना):- विजयदशमी का पर्व जनपद में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बिजनौर स्थित रामलीला मैदान में रावण वध के मंचन के बाद रावण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस आयोजन को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु मैदान में पहुंचे। कार्यक्रम में सदर विधायक सूची चौधरी, भाजपा नेता ऐश्वर्या मौसम चौधरी और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने रॉकेट में आग लगाकर पुतला दहन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रावण और मेघनाद के पुतलों में आग लगते ही पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। आतिशबाजी



और पुतला दहन का दृश्य देखकर उपस्थित लोगों ने उत्साह के साथ विजयदशमी का पर्व मनाया। विजयदशमी के अवसर पर रामलीला मैदान में मेले का भी आयोजन किया

गया। मेले में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने मेले में घूमकर विभिन्न दुकानों से खरीदारी की और पर्व का आनंद

लिया। पूरे आयोजन के दौरान लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। इस प्रकार रावण और मेघनाद के पुतलों के दहन के साथ विजयदशमी का पर्व धूमधाम से संपन्न हुआ।

आज पंजाब दौरे पर अमित शाह, परविंदर झोटा के परिवार से करेंगे मुलाकात; देखें गृहमंत्री का पूरा शेड्यूल



जालंधर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज पंजाब दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह नशे के खिलाफ आवाज उठाने पर जान गंवाने वाले लोगों के स्वनजन से मुलाकात करेंगे। शाह मानसा, संगरूर और गुरदासपुर में पीड़ित परिवारों से मिलेंगे। इसके बाद शाम को लुधियाना के ऐतिहासिक देरसी मैदान में दशहरा कार्यक्रम में शामिल होंगे। शाह दोपहर 12:15 बजे गुरदासपुर जिले के श्री हरगोबिंदपुर क्षेत्र के मारी पनवां गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोपहर 2:15 बजे संगरूर के तूर बंजारा गांव की हरदम पट्टी और दोपहर 3:45 बजे मानसा के वाई नंबर 21 स्थित वाटर वर्क्स रोड पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिलेंगे। दशहरा समारोह में होंगे शामिल शाम चार बजे शाह लुधियाना में मीडिया से बातचीत करेंगे। इसके बाद शाम 4:30 बजे ऐतिहासिक देरसी मैदान में आयोजित दशहरा समारोह में शामिल होंगे। शाह के दौरे को लेकर संबंधित जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। उनके आगमन और निर्धारित कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। वीवीआइपी सुरक्षा के महेनजर हेलीपैड और आसपास के दो किलोमीटर क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

जालंधर में मां-बेटी पर चाकू से वार, भाग रहे हमलावर को लोगों ने दबोचा

जालंधर। पंजाब के जालंधर में मकसूदां के पास सुरानस्सी रोड स्थित आनंद नगर में एक युवक ने घर में मौजूद मां-बेटी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद इलाके में नरहात फैल गई। वहीं, लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया। इस दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसके मुंह से झाग निकलने लगी। कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना डिवीजन नंबर एक की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घायलों की पहचान सिमरन और उनकी बेटी मनप्रीत के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सिमरन के पति की पहले ही मौत हो चुकी है और मां-बेटी काफी समय से आनंद नगर में रह रही थीं। हमले के बाद दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हमले के कारणों का नहीं चला पता प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक युवक ने मां-बेटी पर चाकू से हमला किया था। हालांकि, उसने दोनों पर हमला क्यों किया और वारदात के पीछे क्या कारण था, वह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। लोगों ने युवक को पकड़ा तो उसके मुंह से झाग निकलने लगी। इसके बाद उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के कारणों का भी फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पार्षद ने मौके पर पहुंचकर ली जानकारी घटना की सूचना मिलने पर पार्षद नीरज जस्सल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मां-बेटी काफी समय से इलाके में रह रही थीं। हालांकि, उन्हें घटना के संबंध में फिलहाल कोई अन्य जानकारी नहीं है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। अब पुलिस की जांच और युवक की मौत के कारणों का पता चलने के बाद ही वारदात से जुड़ी पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मुझे से आया बताया जा रहा युवक पार्षद जस्सल ने बताया कि हमला करने वाली युवक के घर वालों ने बताया कि वह कुछ समय पहले ही विदेश से आया है। उसने यह हमला क्यों किया यह अभी किसी को नहीं पता। यहां तक की उसके परिवार वालों की भी नहीं पता है कि हुआ क्या था।

अमृतसर पहुंचे आयुष्मान खुराना और सारा अली खान, गोल्डन टेंपल में टेका माथा; अटारी सीमा पर लगाए देशभक्ति के नारे



अमृतसर। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री सारा अली खान मंगलवार को अमृतसर पहुंचे। दोनों कलाकारों ने श्री हरिमंदिर साहिब (गोल्डन टेंपल) में माथा टेककर गुरु घर का आशीर्वाद लिया और सबत के भले की अरदास की। इसके बाद वे अटारी सीमा पर पहुंचे, जहां उन्होंने भारत-पाकिस्तान सीमा पर होने वाली रिट्रीट सैरमनी देखी। इस दौरान दोनों कलाकारों ने वहां मौजूद लोगों के साथ देशभक्ति के नारे लगाकर उत्साह बढ़ाया। सबत के भले की अरदास की श्री हरिमंदिर साहिब में नतमस्तक होने के बाद दोनों कलाकार भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय अटारी सीमा के लिए रवाना हुए। अटारी सीमा पर पहुंचकर उन्होंने प्रसिद्ध रिट्रीट सैरमनी को बहुत ही नजदीक से देखा और सैनिकों के पराक्रम को सराहा। इस दौरान सीमा पर माहौल पूरी तरह से देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ था। वहां मौजूद सैकड़ों पर्यटकों और देशवासियों के साथ आयुष्मान खुराना और सारा अली खान ने भी पूरे जोश के साथ भारत माता के जयघोष और देशभक्ति के नारे लगाए। फैंस में दिखा उत्साह दोनों कलाकारों की एक झलक पाने के लिए सीमा पर मौजूद लोग खासे उत्साहित नजर आए। इस दौरान सीमा पर देशभक्ति का माहौल रहा। वहां मौजूद लोगों के साथ आयुष्मान खुराना और सारा अली खान ने भी देशभक्ति के नारे लगाए।

नशे के लिए पैसे न मिलने पर बेटा बना दरिद्र, बठिंडा में उड़े से हमला कर फोड़ा मां का सिर

बठिंडा। पंजाब में नशे की दलदल में फंसा एक युवक अपनी मर्यादां को ही भूल गया। मां-बेटे के रिश्ते को कर्लंकित करते हुए पैसों की खातिर उसने मां पर ही हमला कर दिया। अब उसकी मां अस्पताल में इलाज करवा रही है। लेकिन, मां आज भी अपने बेटे के खिलाफ न तो कोई कानूनी कार्रवाई चाहती है और ना ही पुलिस को उसे तंग करने देना चाहती है। बेहद शर्मानाक घटना बठिंडाज़ के अंतर्गत आते चंदसर बस्ती की है। नशे की लत ने एक बेटे को इतना अंधा कर दिया कि उसने अपनी ही जन्म देने वाली मां को खून से लथपथ कर दिया। आधी रात को हुई इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है और एक समाजसेवी संस्था मां का इलाज करवा रही है। नशे के लिए मांग रहा था रुपये प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब एक बजे चंदसर बस्ती में एक युवक नशे की अपनी बुरी लत को पूरा करने के लिए अपनी मां से पैसों की मांग कर रहा था। मां ने जब उसे पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो नशे में धुत उस युवक अपना आपा खो बैठा।

अमित शाह के पंजाब दौरे पर सीएम भगवंत मान ने साधा निशाना, बोले- पहले कांडला बंदरगाह पर रोकें नशा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पंजाब दौरे से पहले इंटरनेट मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर भाजपा और केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा पंजाब को नशामुक्त करने और बचाने की बात कर रही है, लेकिन जब 2007 से 2017 तक अकाली दल के साथ उसकी गठबंधन सरकार थी, तब पंजाब में नशे का कारोबार बढ़ने पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई? मान ने कहा कि केंद्र सरकार पहले अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले नशा तस्करी के रास्तों और भाजपा शासित राज्यों में गैंगस्टरवाद पर जवाब दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमित शाह देश के गृह मंत्री हैं और जब चाहें पंजाब आ सकते हैं, लेकिन पंजाब को बचाने के नाम पर राजनीतिक प्रचार

करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अकाली दल के साथ गठबंधन सरकार के समय नशे का कारोबार बढ़ा और बड़े तस्करों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। बिक्रम मजीठिया के मामले में सीबीआइ जांच की मांग उठती रही, लेकिन जांच नहीं कराई गई, क्योंकि वह भाजपा के सहयोगी दल से जुड़े थे। मान ने सवाल किया कि 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद भी नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई। कांडला बंदरगाह से नशे की खेपों पर केंद्र को घेरा भगवंत मान ने कहा कि आज राजस्थान में नशे की समस्या गंभीर है और हरियाणा गैंगस्टर्स की नर्सरी बन गया है। गुजरात के कांडला बंदरगाह से तीन-तीन हजार किलोग्राम नशे की खेपें पकड़े जाने का उल्लेख



करते हुए उन्होंने सवाल किया कि केंद्र सरकार वहां से नशे की तस्करी क्यों नहीं रोक पा रही। उन्होंने पाकिस्तान से लगती पंजाब की 532 किलोमीटर लंबी सीमा का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री के साथ बैठकों में सीमा पर एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने की मांग उठाई थी।

उनके अनुसार, पंजाब सरकार ने बीएसएफ के साथ मिलकर अपना एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाया, लेकिन केंद्र ने इस दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की। 700 से अधिक किसानों की मौत पर भी मांगा जवाब मुख्यमंत्री ने किसान आंदोलन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर

138 अंकों के बावजूद नियुक्ति क्यों नहीं? पंजाबी टीचर भर्ती मामले में हाईकोर्ट ने मांगा अंतिम फैसला

चंडीगढ़। पंजाबी विषय के मास्टर केडर की भर्ती में चयन को लेकर विवाद अब शिक्षा विभाग के फैसले में देरी पर केंद्रित हो गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इससे जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पंजाब सरकार के शिक्षा विभाग को दो सप्ताह के भीतर अंतिम निर्णय लेने और उसे अदालत के रिकॉर्ड पर पेश करने का निर्देश दिया। अदालत ने चेताया कि तब समय में आदेश का पालन नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ अन्वमानना की कार्रवाई शुरू की जा सकती है। अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को होगी। याचिका के अनुसार, आठ जनवरी, 2022 को जारी भर्ती विज्ञापन में पंजाबी विषय के 534 पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे। चार सितंबर, 2022 को हुई लिखित परीक्षा में जसवीर कौर ने 138 अंक



हासिल किए। दस्तावेजों की जांच के बाद 16 दिसंबर, 2022 को जारी चयन सूची में उन्हें नियुक्ति नहीं मिली और वह प्रतीक्षा सूची में छठे स्थान पर रहीं। याचिका में कहा गया कि बुटा सिंह मामले में हाईकोर्ट के आदेश के बाद परिणाम संशोधित किया गया। संशोधित चयन सूची में

मुताबिक, अदालत ने छह जुलाई को ही शिक्षा विभाग को अंतिम निर्णय लेने को कहा था। नै सितंबर को सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने फैसला करने के लिए चार सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा। अदालत ने समय देते हुए अगली सुनवाई पर निर्णय की जानकारी देने का निर्देश दिया था। ऐसा नहीं होने पर संबंधित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से पेश होना था। निर्धारित तारीख पर शिक्षा विभाग की सचिव अदालत में पेश हुईं। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले दो सप्ताह में अंतिम निर्णय लेकर अदालत में पेश कर दिया जाएगा और अगली सुनवाई पर समय बढ़ाने की मांग नहीं की जाएगी। मामले को 31 अक्टूबर, 2026 के लिए सूचीबद्ध कर तत्काल सुनवाई की सूची में रखने का निर्देश दिया गया है।

24 घंटे उड़ान के संचालन की दिशा में बढ़ रहा चंडीगढ़ एयरपोर्ट, बेंगलुरु के लिए आधी रात को भी फ्लाइट

चंडीगढ़। शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट चंडीगढ़ से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। धीरे-धीरे 24 घंटे उड़ान के संचालन की दिशा में काम हो रहा है और इसी को ध्यान में रखकर विंटर शेड्यूल तैयार किया गया है। विंटर शेड्यूल में अब आधी रात के बाद भी चंडीगढ़ एयरपोर्ट से बेंगलुरु के लिए फ्लाइट उड़ान भरेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की यह फ्लाइट रात 12:45 बजे रवाना होगी। वहीं, मुंबई से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट रात 12:20 बजे चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर लैंड करेगी। ऐसे में देर-रात विमानों की आवाजाही बढ़ने से यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। वैसे तो एयरपोर्ट को 24 घंटे ऑपरेशनल बताया जाता था, लेकिन देर रात उड़ानों का संचालन सीमित था। समर शेड्यूल में चंडीगढ़ से रात 10:55 बजे पुणे के लिए आखिरी उड़ान

रवाना होती थी। इसके बाद रात में कोई दूसरी फ्लाइट टेकऑफ नहीं करती थी। अब विंटर शेड्यूल में नई टाइमिंग से एयरपोर्ट पर परिचालन का समय बढ़ेगा। चंडीगढ़। शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट चंडीगढ़ से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। धीरे-धीरे 24 घंटे उड़ान के संचालन की दिशा में काम हो रहा है और इसी को ध्यान में रखकर विंटर शेड्यूल तैयार किया गया है। विंटर शेड्यूल में अब आधी रात के बाद भी चंडीगढ़ एयरपोर्ट से बेंगलुरु के लिए फ्लाइट उड़ान भरेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की यह फ्लाइट रात 12:45 बजे रवाना होगी। वहीं, मुंबई से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट रात 12:20 बजे चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर लैंड करेगी। ऐसे में देर-रात विमानों की आवाजाही बढ़ने से यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। वैसे तो एयरपोर्ट को 24 घंटे ऑपरेशनल

पंजाब में बाल विवाह के खिलाफ मान सरकार का कड़ा प्रहार, डेढ़ साल में रोके गए 137 मामले

चंडीगढ़। पंजाब में बाल विवाह के खिलाफ अभियान के तहत वर्ष 2025 और जनवरी से जुलाई 2026 तक कुल 137 बाल विवाह रोके गए। इनमें 2025 में 64 और जनवरी से जुलाई 2026 के दौरान 73 मामले शामिल हैं। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डाक्टर बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार बच्चों के सुरक्षित बचपन, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुुरीत को समाप्त करने के लिए कानून का प्रभावी ज़ायगान्वयन किया जा रहा है और क्रियारूकता अभियान का काम कर रहे हैं। पंजाब सरकार ने 10 फरवरी 2025 को अधिसूचना जारी कर सभी 23 जिलों में जिला स्तरीय बाल विवाह रोकथाम इकाइयां बनाई हैं। ये इकाइयां संभावित मामलों में तत्काल हस्तक्षेप, बच्चों के बचाव एवं पुनर्वास और विभागों के बीच समन्वय में भूमिका निभाती हैं। इस कुुरीत के खत्म करना सामूजिक की जिम्मेदारी बलजीत कौर



शामिल हैं। अधिकारी गांवों और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने, संदिग्ध मामलों की पहचान करने और समय रहते कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का काम कर रहे हैं। पंजाब सरकार ने 10 फरवरी 2025 को अधिसूचना जारी कर सभी 23 जिलों में जिला स्तरीय बाल विवाह रोकथाम इकाइयां बनाई हैं। ये इकाइयां संभावित मामलों में तत्काल हस्तक्षेप, बच्चों के बचाव एवं पुनर्वास और विभागों के बीच समन्वय में भूमिका निभाती हैं। इस कुुरीत के खत्म करना सामूजिक की जिम्मेदारी बलजीत कौर



बताया जाता था, लेकिन देर रात उड़ानों का संचालन सीमित था। समर शेड्यूल में चंडीगढ़ से रात 10:55 बजे पुणे के लिए आखिरी उड़ान रवाना होती थी। इसके बाद रात में कोई दूसरी फ्लाइट टेकऑफ नहीं करती थी। अब विंटर शेड्यूल में नई टाइमिंग से एयरपोर्ट पर परिचालन का

समय बढ़ेगा। चंडीगढ़। शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट चंडीगढ़ से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। धीरे-धीरे 24 घंटे उड़ान के संचालन की दिशा में काम हो रहा है और इसी को ध्यान में रखकर विंटर शेड्यूल तैयार किया गया है। विंटर शेड्यूल में अब आधी

मोहाली के बलौंगी में बनेगा 120 मीटर लंबा नया पुल, पुराने पुल की भी सुधरेगी हालत; गमाडा ने बनाया प्लान

मोहाली। मोहाली के बलौंगी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 120 मीटर लंबा नया हाईलेवल आरसीसी पुल बनाने की योजना है। ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) की इस परियोजना के तहत नए पुल के निर्माण के साथ पटियाला की राव पर बने मौजूदा पुल की मरम्मत और आसपास की सड़क को बेहतर बनाने का काम भी शामिल किया गया है। परियोजना पूरी होने पर इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को बेहतर सड़क संपर्क मिलने की उम्मीद है। परियोजना में केवल नया पुल बनाने पर ही ध्यान नहीं दिया गया है, बल्कि पटियाला की राव पर बने मौजूदा पुल की रेस्टोफिटिंग भी प्रस्तावित है। इसके तहत पुराने पुल की स्थिति के अनुरूप आवश्यक सुधार किए जाएंगे। इससे मौजूदा ढांचे को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है। नए पुल के निर्माण और पुराने पुल की मरम्मत को साथ लेकर चलने से क्षेत्र में सड़क संपर्क से जुड़ी जरूरतों को व्यापक रूप से पूरा करने की योजना

करवी डेढ़ साल तक चले आंदोलन के दौरान 700 से अधिक किसानों की मौत हुई। उन्होंने सवाल किया कि केंद्र सरकार ने मृतक किसानों के परिवारों से मिलने और उनके साथ हमदर्दी जताने की कोशिश क्यों नहीं की। मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने इन परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा और सरकारी नौकरियां दीं। गैंगस्टर्स और पंजाब के अधिकारों पर भी सवाल मान ने मुंबई में फिल्म अभिनेता पर हुई गोलीबारी का उल्लेख करते हुए आरोपितों के राजस्थान के कोटा से जुड़े होने की बात कही। उन्होंने सवाल किया कि राजस्थान और हरियाणा में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भाजपा की जवाब देगी। उन्होंने यह भी पूछा कि गंभीर हत्याओं की जिम्मेदारी लेने वाले गैंगस्टर साबरमती सहित अन्य

जेलों में क्यों बंद हैं। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़, पंजाब के पानी और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में राज्य की हिस्सेदारी से जुड़े मुद्दे भी उठाए। उन्होंने कहा कि जब पंजाब के अधिकारों की बात आती है, तब भाजपा को राज्य की चिंता नहीं होती, लेकिन चुनाव के समय पंजाब को बचाने से कोई आपर्ति नहीं है। मान ने कहा कि पंजाब सरकार परमिंदर सिंह झोटा हत्याकांड की सीबीआइ जांच की मांग कर चुकी है और उसे जांच से कोई आपर्ति नहीं है। उन्होंने अमित शाह से कहा कि पंजाब आकर राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय पीड़ित परिवारों से मिलें और उनके दुख में शामिल हों। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग किसान आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं को भूले नहीं हैं।

बच्चे को ट्यूशन छोड़ने जा रही महिला की सोने की बाली झपटी

जीरकपुर (मोहाली)।



बलटाना में महिलाओं से सोने के आभूषण झपटने की घटनाएं जारी हैं। सोमवार शाम पीर बाबा रोड पर गिल कालोनी के गेट के पास मोटरसाइकिल सवार युवक ने बच्चे को ट्यूशन छोड़ने जा रही महिला के कान से सोने की बाली झपट ली। महिला ने आरोपी का पीछा किया, लेकिन वह फरार हो गया। घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई। आरोपी की मोटरसाइकिल पर स्वीगी का डिलीवरी बाक्स दिखाई दे रहा है। महिला के पति रोहित शर्मा ने बताया कि उनकी पत्नी सोमवार शाम करीब चार बजे बच्चे को ट्यूशन छोड़ने घर से निकली थी। गिल कालोनी के गेट के पास पीछे से आए युवक ने अचानक बाली झपट ली। महिला ने उसका पीछा किया, लेकिन तेज रफ्तार मोटरसाइकिल के कारण उसे पकड़ नहीं सकी। रोहित के अनुसार, बालियों के जोड़े का वजन करीब पांच ग्राम था। झपटी गई बाली करीब ढाई ग्राम की थी और उसकी कीमत लगभग 40 हजार रुपये बताई गई है। फुटेज में डिलीवरी बाक्स दिखने से आशंका है कि आरोपीत इसका इस्तेमाल सामान्य आवाजाही का आभास देने के लिए कर रहा हो। हालांकि, किसी डिलीवरी कंपनी से उसके संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस फुटेज के आधार पर पहचान में जुटी है। बलटाना के सैनी विहार और अन्य रिहायशी इलाकों में भी हाल के दिनों में महिलाओं की बालियां झपटने की घटनाएं हुई हैं।

पहुंचेगी, जोकि सुबह 9:10 बजे बेंगलुरु से उड़ान भरेगी। इसके बाद दोपहर 1:50 बजे यह शारजाह के लिए रवाना होगी और रात 11:05 बजे वापस चंडीगढ़ पहुंचेगी। इसके बाद यही विमान रात 12:45 बजे बेंगलुरु के लिए उड़ान भरेगा। इस फ्लाइट का फ्लेक्सी फेयर की फ्लाइट में मुंबई से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट भी देर रात संचालित होगी, जोकि रात 10:05 बजे मुंबई से उड़ान भरकर करीब सवा दो घंटे 12:20 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगा। इस फ्लाइट का फ्लेक्सी फेयर के आधार पर क्रियाय 9,823 रुपये बताया गया है। अभी चंडीगढ़ से मुंबई के लिए सुबह 5:15 बजे रवाना होने वाली इंडिगो की फ्लाइट दिन की पहली उड़ान है।



है। तैयार होगा नया ढांचा 120 मीटर लंबे हाईलेवल आरसीसी पुल का निर्माण इस परियोजना का प्रमुख हिस्सा है। इसके साथ अग्रोच रोड और मौजूदा सड़क की कार्पेटिंग भी महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि पुल तक पहुंचने और वहां से आगे जाने के लिए सड़क की स्थिति अच्छी होना जरूरी है। सड़क और पुल के बीच बेहतर तालमेल से वाहन चालकों को आवागमन में सुविधा मिल सकती है। हालांकि, निर्माण पूरा होने के बाद यातायात में कितना सुधार होगा, यह सड़क के उपयोग, निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव पर निर्भर करेगा। पांच साल तक रखरखाव की भी व्यवस्था गमाडा के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के मुताबिक परियोजना में निर्माण कार्य के बाद पांच साल तक रखरखाव का प्रावधान भी

शामिल है। इसका उद्देश्य पुल और संबंधित सड़क कार्यों को निर्धारित अवधि तक उचित स्थिति में बनाए रखना है। निर्माण के बाद नियमित निरीक्षण और समय पर जरूरी मरम्मत से सड़क एवं पुल की उपयोगिता लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिल सकती है। जानकारी के मुबिक परियोजना के लिए उपलब्ध कुल 185.96 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। सड़क और पुल की हालत काफी खस्ता बलौंगी क्षेत्र में यह परियोजना सड़क बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण होगी। अभी कि बात करें तो यहां सड़क और पुल की हालत काफी खस्ता है। परियोजना के पूरा होने के बाद लोगों को वहां से आने जाने में असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सोशल मीडिया पोस्ट के कमेंट्स में क्या दूँती थीं हरलीन



एक्ट्रेस हरलीन सेटी ने बातचीत में बताया कि वह अपने गोरे-चिट्ठे भाई से खुद की तुलना करती थीं। रंग को लेकर यह झिझक एक्टिंग में आने के बाद भी उनका पीछा करती रही। 'ब्रोकन बट व्टीफुल' के दौरान वह दर्शकों के कमेटेंट्स में भी अपनी रिस्कन को लेकर प्रतिक्रियाएं दूँती थीं। फिर एक वक्त ऐसा आया, जब उन्हें हँसास हँसा कि लोग उन्हें नरंगे रंग के लिए नहीं, उनके काम के लिए पसंद कर रहे हैं।

मैं डस्की थी और मेरा भाई गोरा-चिट्टा

हरलीन के मुताबिक, रंग को लेकर उनकी झिझक खुद की एक्सप्रेस की कही बात से नहीं आई। वह खुद एक स्वारित्री से तुलना करती रही और थोरे-थोरे यह बात उनके मन में बैठ गई। हरलीन ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं ज्यादा सेल्फ-ड्रिग्लिटवर्ड ही था। जब आप एक तरीके के दिखते हो और आपको मम्मी एक अलग तरीके की दिखती हैं, तो आपको लगता है कि यार, ये कैसे है? मेरा भाई मेरी मा पर गया था। मेरा भाई भी बहुत सुंदर है। वो एकदम गोरान-चिन्ना था और मैं बहुत छोटा। तो मुझे लगता है कि ये चीज खुद से ही आई।' वह बताती है कि बचपन से ही आई करण के लुवस की खूब तारीफ होती थी। 'सब उसको कहते थे कि तुम कितना सुंदर हो। हम

कभी भी जाते थे तो लोग पूछते थे कि यार, तू कब हीरो बन रहा है, तू कब एक्टर है। उसको इतना गुड लुकिंग कहते थे। उसके दिमाग में डाल दते थे कि तुम अच्छे दिखते हो, तुम कैमरे के सामने आ सकते हो मैं खुद को अपनी मॉम से कंपेयर करती थी और फिर अपने भाई से। आप पापा के फेवरट हो और भाई का फेवरट है। तो एक तो मॉम के साथ कंपेयर, ऊपर से भाई वैसे ही सुंदर है और वो भी फेवरट है। तो बहुत सारी चीजें थीं।’

डर था कि लोग मुझे देखकर क्या कहेंगे

हरलीन ने 29 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। ऐसे में कैमरे के सामने अपने लुक्स को लेकर वह पहले से ज्यादा कॉन्फास थीं। 'मेरा तो ऐसा भी नहीं था कि बचपन से मुझे पता था कि मुझे एक्टिंग बनाना है, बड़े पदें पर आना है। मैंने उस तरीके से कभी एक्टिंग नहीं सीखी। कभी अपने लुक्स का ध्यान नहीं दिया। मैंने बहुत लंबे शुरुआत की, 29 पर। आप लड़कियों का ग्रोपिंग प्रायफ़ देखो जो फिल्मों वगैरह में आती हैं। वो सब 16-17 पर शुरू करती हैं। तो मैं 29 पर शुरू कर रही हूँ। तो कॉन्फासिफ़ होती है कि क्या आप अच्छे दिखते हो स्क्रीन पर, सपने से दिखते हैं क्या।' 'अक्सर ज्यादा जनाब जेम्स बात का था कि ब्रोकन में

जब मुझे लोग देखेंगे तो कैसे देखेंगे। मुझे इतना घ्याम मिला। लोग मेरी एंक्टिंग को तारीफ कर रहे थे। लेकिन मैं उन कमेंट्स और डीएम में दुबूती थी कि यार, रिस्कन के बारे में किसी ने कुछ कहा? इतने बड़े की बात जानकर मुझे तय नहीं कि एक भी कमेंट मेरी रिस्कन को लेकर आया है। वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। उस समय मैं अपनी मां के सामने रही। तब मुझे समझ आया कि लोग आकर सिकल, टैलेट और स्क्रीन पर आपके काम की तारीफ करते हैं। यह किस्म इस बारे में नहीं है कि आप कैसे दिखते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा अलग शुरुआत थी। लेकिन मेरे मुझे एक बहुत बड़ी चीज दी।

इसके बाद हरलीन उम्र और हार्मोनल बदलावों की भी बात करती हैं

‘पीसीओडी एक ऐसी चीज है, जो आपको लाइफस्टाइल से रिटेन्टेड है। जैसी आपकी लाइफ है, सोना, खाना, पीना, वर्कआउट नहीं करना, बहुत सारी चीजें हैं। तो वो ऊपर-नीचे चलता रहता है। साथ ही, इस उम्र में ये बहुत हार्मोनल भी है। हम जिस एज में जा रहे हैं, गर्लस, हार्मोन्स के साथ हर रोज आप अलग दिखते हैं। कभी आपकी आंखें पंखों हैं, कभी फेस पर वॉटर रिटेंशन है, कभी बॉडी में ब्लांटिंग है।

कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं

हरलीन अब मानती है कि एविटिंग में अपने लुक से ज्यादा किरदार पर ध्यान देना जरूरी है। 'एक कॉमन मैन भी सेल्फी खींचता है तो 10 खिंचता है। 10 में से एक चुन करता है और वो सोशल मीडिया पर डालता है। एक एक्टर के लिए कितना हार्ड है सोचो। अगर आपने एक ही टेक दिया और वो उस पंगल में है जो डायरेक्टर को जाएगा। हो सकता है वो सबसे फ्लैटिंग न हो, लेकिन सीन के लिए राइट हो। तो ये चीजें आप कंट्रोल नहीं कर सकते। आपको बस ये भूलना पड़ता है कि आप कैसे दिख रहे हो। बस कैरेक्टर के माइंड में रहो। कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं।'।

रोमांटिक-ड्रामा फिल्म
तुम मेरे हो से प्रोड्यूसर
बनीं देवीना बनर्जी

अभिनेत्री देवीना बनर्जी आगामी रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'तुम रहे हो' के जरिए फिल्म निर्माता के तौर पर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म बनाने का आइडिया उनके पति और अभिनेता गुर्मीत चौधरी का था, उन्होंने बस उनका साथ दिया है। दरअसल, अभिनेत्री ने पति गुर्मीत चौधरी के साथ मिलकर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस 'देबगुरु फिल्मस्' शुरू किया है और इस बेनर तले पहली फिल्म 'तुम रहे हो' रिलीज होने जा रही है। आईएफएलएफ के साथ बातचीत में अभिनेत्री देवीना बनर्जी ने बताया कि उनके पति और अभिनेता गुर्मीत चौधरी अपने हिसाब से फिल्में करना चाहते थे, और इसी वजह से उन्होंने खुद की फिल्में बनाने का फैसला लिया।

उन्होंने कहा, 'फिल्म बनाने का आइडिया गुरमीत के दिमाग में आया था।' मैं बस उसे देख रही थी और वह कापी बेंचने था, क्योंकि वह जानता था कि उसे किस तरह की फिल्म करनी है। वह एक रोमांटिक हीरो है, लेकिन जब भी उसे ओटीटी या कहीं और काम मिल रहा था, तो उसमें कोई एक्शन होता था। गुरमीत को एक्शन भी पसंद है, लेकिन उसका एक खूबसूरत रोमांटिक साइड भी है। उसकी आँखें, उसका चेहरा सब कुछ बीता है।

इसलिए उसे लगा कि जिस तरह की क्रिकेट वह देख रहा था, वह उसे नहीं मिल रही थी। जो आपकों वह नहीं मिलता जो आप चाहते हैं, तो बहुत कम लोगों में इसे अपने लिए बनाने की हिम्मत होती है।¹ अभिनेत्री ने आगे प्रोड्यूसर और एक्टर के बीच के फर्क पर भी बात की। उन्होंने बताया कि एक एक्टर के तौर पर आप सिर्फ अपने किर्दार और खुद के बारे में सोचते हैं, लेकिन प्रोड्यूसर के तौर पर आपको सेट पर होने वाले हर छोटी-बड़ी चीज, बजट से लेकर पूरी टीन तक, हर चीज का ध्यान रखना होता है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक्टिंग फिल्ममेंकिंग एक ऐसा फेज है, जिहां आप बस अपनी चीजों का ध्यान रखते हैं और अपना काम काम करके निकाल जाते हैं, लेकिन एक प्रोड्यूसर के तौर पर, आपको स्क्रिप्ट, सबके शेड्यूल, डेट्स, कॉस्टयुम्स, बजट और लोकेशनस समेत हर छोटी-बड़ी चीज का ध्यान रखना होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'आप कभी यह नहीं कह सकते कि नहीं, यह प्रोड्यूसर का काम नहीं है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर आपको अलग-अलग डिपार्टमेंट, अलग-अलग चीजें संभालनी पड़ती हैं, लेकिन जब भी कोई गड़बड़ होती है, तो आपको ही आगे आकर उसे सुलझाना पड़ता है।'

**कुब्रा सैत ने महिला
सशक्तिकरण
को लेकर
अपनी बात रखी**

अपनी बेबाक राय और बेइज्जिक अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री कुब्जा सैत ने हाल ही में एक कार्यक्रम में महिलाओं की आवाज बनने के लिए सम्मानित किए जाने पर महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी बात रखी। महिलाओं की ताकत और उनके संघर्ष की भी बमता को सिखाने की जरूरत वाली सोच पर खाल उड़ते हुए अभिनेत्री ने सशक्तिकरण और अपनी शर्तों पर जिंग्री जीने की आजादी को एक एक या नजरिया पेश किया है। कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए कुब्जा सैत ने कहा, ऐसे किसी भी मंच से जुड़ना, जो महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है, मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। और ऐसा इसलिए नहीं है कि आज हालात बहुत खराब हैं और महिलाओं को मदद की जरूरत है। मेरा मानना है कि महिलाएँ सदियों से साहसी और संघर्षशील रही हैं। अगर कुछ है, तो वह यह कि हमने हमेशा अपने हक और अपनी इच्छाओं के लिए लड़ाई लड़ी है। यह दर्ज किया गया हो या नहीं, लेकिन कहीं न कहीं हम यह मानने लगे हैं कि यह पुरुषों की दुनिया रही है। हालाँकि आपके पिछले पैरल में भी देखा कि किस तरह पुरुषों ने हमें वह महिला बनने का अवसर दिया, जो हम बनना चाहते हैं। और खासकर जब यह बात राजनीतिक स्तर पर कही जाती है, तो इसे सुनना बहुत अच्छा लगता है। रही मेरी बात तो मैं यही कहना चाहूँगी कि महिलाओं के सशक्तिकरण की आवाज बनने के लिए सम्मानित होना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। हालाँकि, मुझे लगता है कि मुझे इस अपनी जिंग्री जीने, उसी पूरी तरह से अनुभव करनी, गतिविधियाँ करने से न डरने और खुद के लिए एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश करने का अवसर मिला है। मुझे खुशी है कि मैं एक महिला हूँ। फिलहाल अपने इस दमदार बयान के साथ कुब्जा ने बातचीत को एक बार फिर व्यक्तिगत पहचान और स्वतंत्रता को मोड़ दिया है। उन्होंने याद दिलाया कि सशक्तिकरण केवल महिला होने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अपनी पसंद से जिंग्री जीने, फैसले लेने और अपने अनुभवों के जरिए खुद को सम्मने की आजादी से भी जुड़ा है।

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'महाकाल' में साथ दिखेंगे अक्षय और राणा

संजय लीला भंसाली एक भव्य पौराणिक फिल्म बनाने की तैयारी में है। रिपोर्टर्स के मुताबिक, 'महाकाल' नाम की इस फिल्म में अक्षय कुमार और राणा दग्गुबाती लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता चंदू मोंडेटी को मिलने की बात कही जा रही है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भंसाली को चंदू का पिछला काम पसंद आया था। चंदू ने 'कॉलिकेय 2' का निर्देशन किया था, जिसे काफी पसंद किया गया। भंसाली ने इसी वजह से 'महाकाल' को

के निर्देशन के लिए उनसे संपर्क किया है। 'महाकाल' पौराणिक फिल्म बताई जा रही है। इसकी शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा वाराणसी में किया जा सकता है। फिल्म में पौराणिक दुनिया के साथ अलौकिक और रहस्यर पूर्ण एलिमेंट्स भी होने की बात कही जा रही है। इसकी कहानी किसी एक देवता के इर्द-गिर्द नहीं होगी। इसमें हिंदू पुराणों के कई संदर्भों के साथ अलग-अलग दिव्य किरदार देखने को मिल सकते हैं। अक्षय-राणा इससे पहले 'बेबी' में साथ नजर आ चुके हैं।

रणदीप हुड्डा ने याद किए 'मैचबॉक्स' की शूटिंग के दिन

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी हाल ही में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म 'मैचबॉक्स: द मूवी' के सेट से कई तस्वीरें साझा कीं। इसमें कई जगह वह अपनी लिन और फिल्म के बाकी एक्टरों के साथ एंजोय कर रहे नजर आए। वहीं दूसरी खास फोटो में वह स्टार जॉन सीना के साथ भी दिखाई दिए। इस फोटो में दोनों ही अभिनेता काफी खुश नजर आ रहे थे।

रणदीप हुड्डा ने फोटोज के साथ एक शानदार कैप्शन भी लिखा। उन्होंने इन फोटोज को कैप्शन देते हुए लिखा, 'मैचबॉक्स मेरे एक्सट्रेमशन टीम के दोस्तों से मिलने-जुलने और नई यंदा बाने का एक शानदार बहाना था।' इसके साथ ही फिल्म के निर्देशक सैम हार्रोव के लिए लिखा, 'हमें फिर से थोड़ा साथ खेलना का मौका मिला...' सैम, फिर से खेलो।' मैचबॉक्स: द मूवी 2026 में रिलीज हुई एक अमेरिकी एक्शन कॉमेडी फिल्म है। फिलिम का निर्देशन सैम हार्रोव ने किया है इस फिल्म की पटकथा डेविड कोर्गिशल ने लिखी है। यह फिल्म मेटल के खिलांन ब्रांड मैचबॉक्स पर आधारित है। इसमें रणदीप हुड्डा के अलावा जॉन सीना, जेसिका बील, सैम चर्चडसन, आर्टुरो काब्र्रो और टेटोना पेरिस ने अहम किरदार निभाए हैं।



कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ टीवी पर वापसी की

अभिनेत्री कांचां कोले ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ करीब एक दशक बाद टीवी पर वापसी की है। कांची इस नई शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। टीवी पर वापसी के बारे में बताते करते हुए कांची ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिंदगी को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब वह पुराने दौर में लौटने के बजाय अपने अनुभवों के साथ एक नई शुरुआत करना चाहती हैं। कांची ने कहा, 'मेरा मानना है कि आप आज पहले थे, वहां लौटने और आना जो इसान बात चुके हैं, उसके खरों में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। मैं अपने पुराने दौर को दोबारा जीने के लिए वापस नहीं आई हूं बल्कि एक नए अनुभव का हिस्सा बनने आई हूं। पिछले एक दशक ने काम, महत्वाकांक्षाओं और जिंदगी को लेकर मेरा नजरिया कई तरह से बदला है और मैं इन बदलावों को काफी अहम मानती हूं।' उन्होंने कहा, 'पति, पत्नी और पंगा' के जरिए खुशे दोहराने से एक नए अंदाज में जुड़ने का मौका मिल रहा है और यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। जिंदगी के इस पड़ाव पर मैं अपने सफर का आनंद लेना चाहती हूं और अपनी सख्त सोच पर भरोसा करना चाहती हूं और ऐसे काम चुनना चाहती हूं

जो वास्तव में मेरे दिल के करीब हों।' करीब 10 साल तक टीवी से दूर रहने के बाद कांवी ने 'पति, पत्नी और पंजी' के साथ छोटे पद पर वापसी की है। इस शो में वह अपने पति और अभिनेता शशीर अहलूवालिया के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की जोड़ी को एक बार फिर साथ रखना उनसे फैंस के लिए खास है। शो के नए सीजन को सोनाली बेंद्रे बहल और मुखर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें शादीशुदा जिंदगी के रोजमर्रा के अनुभवों को मनीरजक अंदाज में दिखाया जा रहा है। शो में शामिल कपल्स को कई मजेदार और अप्रत्याशित नुमूनीयों का सामना करना पड़ता है। इस सीजन में राहुल वैद्य और दिशा परमार, अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी बिजलानी, शशीर अहलूवालिया और कांवी कोही, दीपिका सिंह और रोहित राव गोयल, दिव्यांका त्रिपाठी देहिया और विवेक देहिया, मनोज तिवारी और सुरभि तिवारी के साथ अर्चना पूरन सिंह और परमवीर सोढी भी हिस्सा ले रहे हैं। 'पति पत्नी और पंगा' हर शनिवार और रविवार को जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

विवकी कौशल की 'महावतार' में तारा सुतारिया की हो सकती है एंट्री

विकी कौशल की आगामी पौराणिक फिल्म 'महाभारत' की हीरोइन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। फिल्म में विकी की अपोजिट मुख्य भूमिका के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तारा के नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तारा ने भी इस प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी दिखाई है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान की मेडॉक

फिल्मस कर रही है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, 'महावतार' की कास्टिंग को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार बदलाव हो रहे हैं। मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में हैं, जो फिल्म की भव्य और काल्पनिक दुनिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा सके। वहीं 'छावा' के बाद 'महावतार' विवकी और मैडॉक फिल्मस की ये एक और बड़ी फिल्म है।

